इंदौर, मंगलवार 12 मई 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 167

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com

dainikindoresanket

dainikindoresanket

dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई – एमपीएचआईएन/2021/81650

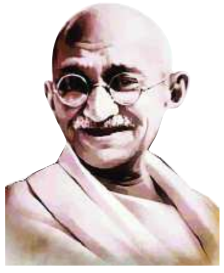

राष्ट्रपिता को नमन...

चिंता के साथ बढ़ी जिम्मेदारी

अक्षय की बात अपनों के साथ

देश इस समय आर्थिक चुनौतियों और बढ़ती महंगाई के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री द्वारा पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोना कम खरीदने और विदेश यात्राओं से बचने की अपील कई लोगों को कठोर लग सकती है, लेकिन इसके पीछे देश की आर्थिक स्थिति को संभालने की चिंता साफ दिखाई देती है।

सच्चाई यह है कि भारत आज भी पेट्रोलियम पदार्थों के लिए बड़े पैमाने पर विदेशों पर निर्भर है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। महंगे पेट्रोल-डीजल से केवल वाहन चलाना ही मुश्किल नहीं होता, बल्कि हर जरूरी सामान की कीमत बढ़ जाती है। ऐसे में यदि सरकार और प्रधानमंत्री बचत की बात कर रहे हैं, तो यह केवल सलाह नहीं बल्कि समय की जरूरत बन चुकी है।

इसी तरह, भारत हर साल भारी मात्रा में सोना आयात करता है। लोग निवेश और दिखावे के लिए सोना खरीदते हैं, लेकिन इसका असर देश की विदेशी मुद्रा पर पड़ता है। जब देश को उद्योग, रोजगार और विकास के लिए पूंजी चाहिए, तब अत्यधिक सोना खरीदना आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है। यह कड़वी सच्चाई है कि हमारी सामाजिक मानसिकता आज भी जरूरत से ज्यादा दिखावे और संग्रह पर आधारित है।

विदेश यात्राओं को लेकर भी स्थिति अलग नहीं है। बड़ी संख्या में लोग विदेश घूमने पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, जबकि उसी पैसे से देश के पर्यटन और स्थानीय व्यापार को मजबूत किया जा सकता है। आज भी भारत के कई छोटे व्यापारी और पर्यटन क्षेत्र आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। अगर देश का पैसा देश में ही खर्च हो, तो लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है।

हालांकि, केवल जनता से अपील करना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार को भी महंगाई नियंत्रण, रोजगार सृजन और बेहतर सुविधाएं देने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि लोगों को त्याग नहीं बल्कि सहयोग महसूस हो। लेकिन यह भी सच है कि किसी भी देश की मजबूती केवल सरकार से नहीं, बल्कि नागरिकों की जिम्मेदारी से तय होती है।

आज जरूरत इस बात की है कि हम भावनाओं से ज्यादा वास्तविकता को समझें। थोड़ी बचत, थोड़ी जिम्मेदारी और थोड़ी समझदारी देश को आर्थिक संकट से मजबूत बनाकर निकाल सकती है।

न्यूज ब्रीफ

- शरद पवार ने की ऑल पार्टी मीटिंग की मांग, पीएम मोदी से मौजूद रहने की अपील
- श्रीनगर : दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, लश्कर के पोस्टर और हथियार बरामद
- महोबा : सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी के खिलाफ एफआईआर, पीएम मोदी के खिलाफ की थी टिप्पणी
- जेसीडी प्रभाकर को तमिलनाडु विधानसभा का नया अध्यक्ष चुना
- हिमंता की शपथ में शामिल होने के लिए सीएम शुभेंदु अधिकारी गुवाहाटी रवाना
- सीएम विजय का ऐलान- पूजा स्थल, शिक्षण संस्थान और बस स्टैंड के पास से 717 शराब की दुकान बंद होंगी
- लेक्चरर भर्ती परीक्षा 2022 पेपरलीक : राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन से होगी पूछताछ
- रूस-यूक्रेन सीजफायर खत्म, रूसी ड्रोन ने कीव में एक आवासीय इमारत पर हमला किया

पानी पर सवाल : सिस्टम लाचार या टैंकर कारोबार असरदार ?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर इन दिनों भीषण जल संकट से जूझ रही है। मई की तेज गर्मी के बीच शहर के कई हिस्सों में एक दिन छोड़कर पानी सप्लाई की जा रही है, जबकि अनेक क्षेत्रों में जलापूर्ति का समय घटकर 10 से 15 मिनट तक रह गया है। कई कॉलोनियों में पर्याप्त प्रेशर नहीं होने से ऊपरी मंजिलों और अंतिम छोर के मकानों तक पानी पहुंच ही नहीं पा रहा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नगर निगम की नर्मदा टंकियों में टैंकर भरने के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है, तो वही पानी पाइपलाइन के माध्यम से नियमित रूप से घरों तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा?

नहीं करोड़ों खर्च, फिर भी राहत : जानकारों के अनुसार पाइपलाइन के माध्यम से जल वितरण सबसे कम खर्चीला और प्रभावी तरीका माना जाता है। वहीं टैंकर संचालन में डीजल, ड्राइवर, वाहन रखरखाव, किराया और मानव संसाधन पर भारी खर्च आता है। नगर निगम हर वर्ष टैंकर संचालन पर करोडों रुपये खर्च करता है। इसके बावजूद शहर में पानी को लेकर असंतोष लगातार बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि नर्मदा टंकियों से पर्याप्त प्रेशर और तय समय तक पानी छोड़ा जाए तो बड़ी संख्या में टैंकरों की आवश्यकता कम हो सकती है। इससे न केवल निगम का आर्थिक बोझ घटेगा बल्कि नागरिकों को भी नियमित जलापूर्ति मिल सकेगी।

टैंकर वितरण पर उठे सवाल स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि टैंकर वितरण

व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी दिखाई देती है। कई क्षेत्रों में टैंकरों की उपलब्धता राजनीतिक प्रभाव, सिफारिश और स्थानीय दबाव के आधार पर तय होने के आरोप लग रहे हैं। जिन इलाकों में जनप्रतिनिधियों का दबाव अधिक रहता है, वहां टैंकरों की संख्या भी ज्यादा दिखाई देती है, जबकि कई जरूरतमंद क्षेत्रों में लोग घंटों इंतजार के बावजूद पानी नहीं पा रहे। कुछ स्थानों पर नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि नियमित टैंकर पाने के लिए संपर्क और प्रभाव जरूरी हो गया है। इससे पूरे सिस्टम की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पाइपलाइन कमजोर या टैंकर व्यवस्था मजबूत ?

नगर निगम गर्मी के मौसम में 500 से अधिक अपने टैंकरों के साथ बड़ी संख्या में निजी टैंकर भी किराये पर संचालित कर रहा है। इन टैंकरों में अधिकांश पानी निगम की नर्मदा टंकियों पर बने हाइड्रेंट्स से भरा जा रहा है। यानी जिस पानी को शहर की पाइपलाइन व्यवस्था के जरिए नागरिकों तक पहुंचना चाहिए, वही पानी अब टैंकरों के माध्यम से बांटा जा रहा है। शहर के नागरिकों का आरोप है कि पिछले कुछ वर्षों में पाइपलाइन जल वितरण व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय टैंकर आधारित व्यवस्था तेजी से बढ़ी है। पहले जहां कई इलाकों में 45 मिनट से एक घंटे तक पानी मिलता था, अब वही सप्लाई कुछ मिनटों तक सीमित हो गई है। कई स्थानों पर इतना कम प्रेशर रहता है कि लोग मोटर लगाने के बावजूद पर्याप्त पानी नहीं भर पा रहे। इसके विपरीत उन्हीं क्षेत्रों में लगातार टैंकर पहुंच रहे हैं। इससे यह सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या शहर की जल वितरण प्रणाली तकनीकी रूप से कमजोर हो चुकी है या फिर टैंकर व्यवस्था पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता बढ़ा दी गई है?

असली जरूरत : दीर्घकालिक जल प्रबंधन : जल विशेषज्ञों का मानना है कि हर गर्मी में टैंकरों की संख्या बढ़ाना स्थायी समाधान नहीं है। शहर को जरूरत है मजबूत पाइपलाइन नेटवर्क, लीकेज नियंत्रण, पर्याप्त जल प्रेशर, समयबद्ध वितरण और पारदर्शी जल प्रबंधन नीति की। लगातार बढ़ती आबादी और बढ़ती गर्मी के बीच अब यह मुद्दा केवल पानी सप्लाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकताओं, संसाधनों के उपयोग और जवाबदेही से भी जुड़ गया है। अब शहरवासियों की मांग है कि नगर निगम यह स्पष्ट करे कि जब नर्मदा परियोजना से पर्याप्त पानी शहर तक पहुंच रहा है, तो फिर नागरिकों को नियमित और पर्याप्त जलापूर्ति क्यों नहीं मिल पा रही। साथ ही टैंकर आधारित व्यवस्था की स्वतंत्र समीक्षा कर वास्तविक जरूरत और खर्च का सार्वजनिक आकलन भी किया जाए।

पूर्व सीएम कमलनाथ का राज्यसभा जाना तय!

- **मप्र में राज्यसभा की रिक्त हो रही 3 सीटों में से 2 पर भाजपा और एक पर कांग्रेस का कब्जा है**
- **राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 58 विधायकों के समर्थन की जरूरत है**
- **कांग्रेस के 64 विधायक हैं, इनमें से मुकेश मलहोत्रा के मतदान पर कोर्ट ने रोक लगा दी है, विधायक निर्मला सप्रे का झुकाव भाजपा की ओर है**

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र में राज्यसभा की रिक्त हो रही 3 सीटों पर जून में संभावित चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। विधानसभा में मौजूदा संख्या बल के आधार पर दो सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते में जाती नजर आ रही है, लेकिन बदले राजनीतिक समीकरणों के चलते तीसरी सीट को लेकर मुकाबला रोचक होता दिख रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि कांग्रेस ने उम्मीदवार चयन में सावधानी नहीं बरती, तो यह सीट भी उसके हाथ से निकल सकती है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का राज्यसभा जाना लगभग तय माना जा रहा है। पार्टी के भीतर उन्हें सर्वमान्य नेता के रूप में देखा जाता है और माना जा रहा है कि उनके नाम पर संगठन और विधायक दल में एकजुटता बनी रह सकती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का भी यही मत है कि यदि कमलनाथ को उम्मीदवार बनाया जाता है, तो क्रॉस वोटिंग की आशंका काफी हद तक कम हो जाएगी।

दरअसल, राज्यसभा चुनाव के लिए आवश्यक वोटों का गणित कांग्रेस के पक्ष में बेहद सीमित अंतर से खड़ा है। एक सीट जीतने के लिए 58 विधायकों के समर्थन की जरूरत होती है। दतिया विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता समाप्त होने के बाद मप्र में कांग्रेस के विधायकों की वर्तमान संख्या 64 रह गई है। विजयपुर से कांग्रेस विधायक मुकेश मलहोत्रा के मतदान पर न्यायालय ने रोक लगा दी है और बीना विधायक निर्मला सप्रे का झुकाव पूरी तरह से भाजपा की ओर है, जिससे कांग्रेस की चिंता और बढ़ गई है।

ऐसे हालात में कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने विधायकों को एकजुट रखने की है। पार्टी के अंदर गुटबाजी और असंतोष की खबरें पहले से ही सामने आती रही हैं। यदि उम्मीदवार चयन में किसी अन्य नेता को प्राथमिकता दी जाती है. तो इससे असंतोष बह सकता है और कॉस वोटिंग की आशंका भी महरा सकती है। यही कारण है कि पार्टी नेतृत्व एक ऐसे चेहरे पर दांव लगाने की रणनीति चना रहा है, जिस पर सभी गुट सहमत हों। यदि कांग्रेस कमलनाथ को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाती है, तो पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह से लेकर अन्य सभी वरिष्ठ नेता और सभी विधायक उनके समर्थन में एकजुट हो जाएंगे।

मंत्री शाह पर कार्रवाई को लेकर असमंजस केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा करेंगे प्रदेश के दिग्गज

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद बढ़ी भाजपा की चिंता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी को लेकर मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। वहीं इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद अब भाजपा संगठन भी असमंजस में है, अब वह इस मामले को लेकर केन्द्रीय नेतृत्व से चर्चा करेगा, उसी के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। दरअसल कर्नल सोफिया को लेकर विवादित टिप्पणी करने वाले प्रदेश के मंत्री विजय शाह का मामला सुप्रीम कोर्ट के कड़े तेवर के बाद गंभीर हो गया है। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल इस मुद्दे पर केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा करेंगे। शाह मामले में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने ही सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, अब तक राज्य सरकार ने एसआईटी को विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी है। दरअसल, सरकार अपने मंत्री के खिलाफ मुकदमे की अनुमति देने से बच रही है, क्योंकि ऐसा होते ही विजय शाह पर कैबिनेट से इस्तीफा देने का दबाव बढ़ सकता है। भाजपा को यह भी चिंता है कि विजय शाह आदिवासी समुदाय से आते हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई का असर पार्टी के जनाधार पर पड़ सकता है।

बताया जा रहा है कि एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में विजय शाह की टिप्पणी को आपत्तिजनक माना गया है। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो एआई जनरेटेड नहीं बल्कि असली था। इसी आधार पर एसआईटी ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (1) (ए) के तहत अभियोजन की अनुमति मांगी है। हालांकि, एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया है कि इस मामले में किसी व्यक्ति ने औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई थी।

अचानक देर रात राहुल गांधी पहुंचे पीएमओ

नई दिल्ली (एजेंसी) ● दिल्ली से बड़ी राजनीतिक खबर सामने आई है, जहां देर रात कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) पहुंचे। इस दौरान देश के अगले सीबीआई डायरेक्टर की नियुक्ति को लेकर एक अहम उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। सूत्रों के अनुसार यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इसमें जांच एजेंसी के शीर्ष पद पर होने वाली नियुक्ति को लेकर अंतिम चरण की चर्चा हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ-साथ मुख्य न्यायाधीश सीजेआई संजीव कृष्णा भी मौजूद रहे। सूत्रों का कहना है कि बैठक में चयन प्रक्रिया, नामों के पैनल और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सीबीआई डायरेक्टर का पद देश की सबसे अहम जांच एजेंसियों में से एक का नेतृत्व करता है, ऐसे में इस नियुक्ति को लेकर हर बार सरकार और न्यायपालिका के बीच परामर्श प्रक्रिया को बेहद संवेदनशील माना जाता है। बताया जा रहा है कि बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सीबीआई के नए प्रमुख की नियुक्ति पूरी तरह से नियमों और सहमति के आधार पर हो।

सिंधिया समर्थक कृष्णा घाड़गे को बीजेपी ने थमाया नोटिस

पूर्व सांसद केपी यादव का नाम लिए बिना लिखा था-बालक बुद्धि नेता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक कृष्णा घाड़गे को भोपाल बीजेपी के शहर अध्यक्ष रवीन्द्र यती ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कृष्णा ने गुना के पूर्व सांसद और नागरिक आपूर्ति निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष केपी यादव का नाम लिए बिना फेसबुक पर लिखा था- हर मंच पर...आज तो नहीं दिखे बालक बुद्धि नेता। नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद अशोकनगर पहुंचे केपी यादव ने शनिवार को मंच पर कहा था- मैं दिल से मेरे शहरवासियों और वरिष्ठजनों, माताओं युवाओं का स्नेह प्यार इतनी ऊर्जा देता है कि मैं किसी से भी टकराने के लिए तैयार हूं।

इस अशोकनगर की बेहतरी के लिए जो बन सकेगा, कोई कसर आपका ये बेटा नहीं छोड़ेगा। केपी यादव ने कहा था- प्रदेश नेतृत्व ने मुझे यह जिम्मेदारी दी है तो अब दो साल तक तो कोई चाहे या न चाहे आपका ये बेटा हर मंच पर आपको दिखेगा। केपी यादव ने कहा- हमारा अशोकनगर बहुत शांतिप्रिय और धार्मिक क्षेत्र है। यहां के लोग बड़े प्यार से रहते हैं। मेरा उन लोगों से आग्रह होगा, जो फूट डालकर राज करते हैं, जो आपस में लड़ाने की कोशिश करते हैं उनसे मेरा आग्रह है, इस क्षेत्र की बेहतरी के लिए काम करें, न कि लोगों को आपस में लड़ाने का काम करें।

अपील सोना नहीं खरीदने की दूरी के चलते आर्थिक तंत्र होगा प्रभावित

पीएम मोदी का बयान : सराफा व्यापारी हुए परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी) ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान ने देशभर के सराफा कारोबारियों और निवेशकों के बीच नई बहस छेड़ दी है। सोना खरीदने को लेकर पीएम की अपील के बाद ज्वेलरी बाजार में हलचल तेज हो गई है। व्यापारियों का कहना है कि यदि लोग लंबे समय तक गोल्ड खरीदने से दूरी बनाते हैं तो इसका असर केवल सराफा बाजार ही नहीं, बल्कि पूरे आर्थिक तंत्र पर दिखाई देगा।

दरअसल, प्रधानमंत्री ने देशहित का हवाला देते हुए लोगों से अपील की कि एक साल तक गोल्ड खरीदने से बचना चाहिए। उनके इस बयान को लेकर अलग-अलग तरह के अर्थ निकाले जा रहे हैं। कोई इसे विदेशी आयात कम करने की रणनीति बता रहा है, तो कोई इसे निवेशकों के लिए बड़ा संकेत मान रहा है। जानकारों के मुताबिक भारत दुनिया के सबसे बड़े गोल्ड उपभोक्ता देशों में शामिल है। हर साल देश में लाखों करोड़ रुपए का सोना आयात किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में सोने के आयात पर करीब 4.89 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए थे, जबकि 2025-26 में यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 6.40 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

सराफा कारोबारियों में बढ़ी बेचैनी

सराफा व्यापारिक एसोसिएशन के अध्यक्ष हुकुम सोनी का कहना है कि प्रधानमंत्री के बयान का सीधा असर ग्राहकों की मानसिकता पर पड़ सकता है। उनके मुताबिक भारत में लोग प्रधानमंत्री की अपील को गंभीरता से लेते हैं और इससे बाजार में खरीदारी की धारणा बदल सकती है। उन्होंने कहा कि यदि गोल्ड खरीद कम होती है तो इंटरनेशनल मार्केट में भी भारतीय बाजार की छवि प्रभावित हो सकती है। वरिष्ठ कारोबारी निर्मल वर्मा घुंघरू का कहना है कि इस बयान के बाद ज्वेलरी कारोबार में करीब 10 फीसदी तक गिरावट आ सकती है।

इस महीने 1835 करोड़ रुपए ट्रांसफर करेंगे सीएम

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना को तीन साल पूरे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना को तीन साल पूरे हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 36वीं किस्त जारी करने वाले हैं।

प्रदेश की लाड़ली बहनों के खाते में योजना की 1500 रुपए की किस्त 13 मई को आएगी। इस दिन प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रुपए सिंगल क्लिक से ट्रांसफर किए जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत हुई थी और लाड़ली बहनों के खाते में पहली किस्त 10 जून 2023 को ट्रांसफर की गई थी। इसके बाद से योजना में लगातार राशि ट्रांसफर हो रही है और अब 13 मई को 36 वीं किस्त ट्रांसफर की जाने वाली है। इस महत्वाकांक्षी योजना में अप्रैल 2026 तक 35 मासिक किस्तें भेजी गई हैं। वैसे तो यह योजना मार्च 2023 में बनने के बाद लागू हो गई थी, लेकिन योजना में पात्र महिलाओं के खाते में पैसे जमा करने का काम जून 2023 से शुरू हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

पानी से रोटी खाकर' मोदी सरकार पर साधा निशाना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनता से 'तेल का उपयोग कम करने' की अपील पर जिला कांग्रेस सेवादल कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने तीखा तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने देश की 140 करोड़ जनता को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है कि अब लोग तेल छोड़कर पानी से रोटी खाने को मजबूर हो रहे हैं। विवेक खंडेलवाल ने विरोध स्वरूप पानी के साथ रोटी खाकर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आक्रोश जताया। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई, गैस सिलेंडर के दाम, खाद्य तेल की कीमतों और रोजमर्रा की जरूरतों पर बढ़ते बोझ ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री जनता को तेल कम उपयोग करने की सलाह दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ गरीब और मध्यम वर्ग का रसोई बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। भाजपा सरकार ने 'अच्छे दिनों' का सपना दिखाकर जनता को महंगाई और बेरोजगारी के दलदल में धकेल दिया है। खंडेलवाल ने कहा कि आज देश की हालत यह हो गई है कि आम आदमी अपने परिवार का पेट भरने के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही अमृतकाल है, जहां जनता को तेल छोड़कर पानी से रोटी खानी पड़े? उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर लगातार महंगाई और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष करती रहेगी।

फॉर्मर रजिस्ट्री सैचुरेशन का अभियान जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में फार्मर रजिस्ट्री सेचुरेशन का कार्य प्रभावी रूप से किया जा रहा है। उक्त अभियान को 20 मई तक पूर्ण करने के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाया जा रहा है। फार्मर रजिस्ट्री के अंतर्गत फार्मर आईडी बनाए जाने का कार्य केन्द्र शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। फार्मर आईडी के अंतर्गत प्रत्येक कृषक भूमि स्वामी को यूनिक आईडी प्रदान की जाती है, जिससे किसानों को समस्त शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके।

25 मई को कलेक्ट्रेट में वृद्धजनों के लिए विशेष शिविर आयोजित होगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वृद्धजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 25 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर जनसुनवाई के दौरान वृद्धजनों से लगातार प्राप्त हो रही समस्याओं के मद्देनजर आयोजित किया जा रहा है। शिविर सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज इस शिविर आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए की शिविर का प्रभावी और परिणाम मूलक आयोजन हो।

नालों से लेकर वीआईपी रूट तक नगर निगम की सख्ती, घर तक बनाए जा रहे चालान

कैमरों की निगरानी और जांच से खुल रही गंदगी की पोल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर निगम अब केवल सफाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि गंदगी फैलाने वालों की पहचान कर सीधे कार्रवाई करने की रणनीति पर काम कर रहा है। नालों के किनारे चुपचाप कचरा फेंकने वालों पर कैमरों की निगरानी से लगाम लगाई जा रही है, वहीं वीआईपी रूट पर लिटरबिन में फेंके गए कचरे के बोरे से दस्तावेज निकालकर जिम्मेदार लोगों तक पहुंचा जा रहा है। नगर निगम की इस सख्ती का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। जूना रिसाला क्षेत्र से गुजरने वाले नाले के किनारे लंबे समय से लोग घरों का कचरा फेंककर चले जाते थे। नगर निगम की टीम रोज सुबह सफाई करती, लेकिन अगले ही दिन फिर वही स्थिति बन जाती। समस्या लगातार बनी रहने पर क्षेत्र के सीएसआई संदीप डांगी ने स्थानीय लोगों के सहयोग से नाले किनारे कैमरे लगवाए। अब इन कैमरों की रिकॉर्डिंग निगम टीम तक पहुंचती है। हर दिन फुटेज देखकर कचरा फेंकने वालों की पहचान की जाती है और निगम कर्मचारी संबंधित घरों तक पहुंचकर चालान बनाते हैं। अधिकारियों के अनुसार यहां निम्न आय वर्ग के परिवार अधिक रहते हैं, इसलिए जुर्माने की राशि सांकेतिक रखी गई है।

छोटे लिटरबिन में बड़े बोरे डाल रहे-नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि सड़क किनारे लगाए गए लिटरबिन छोटे स्तर के कचरे के लिए होते हैं, लेकिन कई लोग उनमें बड़े-बड़े बोरे और व्यावसायिक कचरा डाल देते हैं, जिससे लिटरबिन क्षतिग्रस्त होते हैं और आसपास गंदगी फैलती है। स्वच्छता से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि केवल सफाई करने से शहर साफ नहीं रह सकता। तकनीक, जनसहयोग और जवाबदेही तय करने की व्यवस्था जरूरी है। कैमरों की निगरानी, दस्तावेजों के आधार पर जांच और मौके पर कार्रवाई जैसे प्रयोग अब शहर में स्वच्छता अभियान को नई दिशा दे रहे हैं।

दंड देना नहीं, आदत बदलना

उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि लोगों की आदत बदलना और जागरूकता बढ़ाना है। इस पहल का असर भी दिखाई देने लगा है। जिस नाले के किनारे रोज बड़ी मात्रा में कचरा जमा होता था, वहां अब गंदगी कम होने लगी है और लोगों में यह संदेश गया है कि अब निगरानी हो रही है और कार्रवाई तय है। इसी तरह एरोड्रम क्षेत्र के वीआईपी रूट पर निरीक्षण के दौरान नगर निगम अधिकारियों को एक लिटरबिन के ऊपर कचरे से भरा बड़ा बोरा पड़ा मिला। बोरे में ऑफिस का कचरा, कागज और अन्य सामग्री थी। मामला संदिग्ध लगने पर निगम टीम ने कचरे की जांच की। गजातों और दस्तावेजों के आधार पर अधिकारियों को एक प्रिंटिंग फर्म का नाम और मोबाइल नंबर मिला। जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि यह अहमदाबाद से जुड़ी एक फर्म है, जो स्कूल-कॉलेजों के लिए ट्रॉफी और पेम्फलेट छापने का काम करती है। निगम अधिकारियों ने स्थानीय स्टाफ से संपर्क किया और संबंधित कर्मचारी को बुलाकर जब कचरे का बोरा दिखाया गया तो उसने गलती स्वीकार कर ली। इसके बाद नगर निगम ने संबंधित फर्म पर दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

रस्म वाली मिलावटी 'हल्दी' बनी जानलेवा!

दूल्हा-दुल्हन को एलर्जी रिएक्शन, चेहरे-होठों पर सूजन; इंदौर में हफ्तेभर में 4-5 केस, एक वेंटिलेटर पर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बाजार में बिक रही मिलावटी हल्दी शादियों की खुशियों में जहर घोल रही है। इंदौर के सरकारी अस्पताल एमवाई में हाल ही में ऐसे मामले सामने आए, जहां हल्दी की रस्म के दौरान दूल्हा-दुल्हन गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। एक मरीज को वेंटिलेटर पर रखना पड़ा, जबकि अन्य को आईसीयू में भर्ती करना पड़ा। पिछले एक हफ्ते में MY में हल्दी एलर्जी के 4 से 5 मामले आए हैं। इनमें एक मरीज को वेंटिलेटर पर रखना पड़ा था।

खरगोन जिले के कसरावद की रहने वाली राखी (21) की शादी की खुशियां उस वक्त चिंता में बदल गईं, जब हल्दी लगाने के कुछ देर बाद उनके शरीर पर लाल चकत्ते उभर आए। चेहरे और होंठों पर सूजन आ गई। उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी।

हल्दी लगाने के कुछ देर बाद दुल्हन के शरीर पर लाल चकत्ते उभर आए। दूल्हे को भी हल्दी की रस्म के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाजार से सस्ती और खुली हल्दी खरीदी थी परिजन ने बताया कि उन्होंने हल्दी रस्म के लिए बाजार से सस्ती और खुली हल्दी खरीदी थी। दूधिया निवासी 35 वर्षीय गोलू को भी हल्दी की रस्म के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

उन्हें गंभीर एलर्जी रिएक्शन हुआ, जिससे फेफड़ों पर दबाव बढ़ गया और जान पर बन आई। पिछले एक हफ्ते में रूड्ढ में हल्दी एलर्जी के 4 से 5 मामले आए हैं। इनमें एक मरीज को वेंटिलेटर पर रखना पड़ा था। राखी को हल्दी लगाने के बाद होंठों पर सूजन आ गई। सांस लेने में भी तकलीफ होने लगी।

शादियों के सीजन में हल्दी की खपत बढ़ने से छोटे किराना व्यापारी और मिलावटखोर केमिकल युक्त हल्दी बेच रहे हैं। ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवार रस्म के लिए भारी मात्रा में खुली और सस्ती हल्दी खरीदते हैं।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. धर्मेंद्र झंवर ने कहा कि हल्दी में मिलावट गंभीर मामला है। मरीजों को स्टेरॉयड देकर इलाज करना पड़ता है। ठीक नहीं होने पर मरीजों को वेंटिलेटर पर भी रखने की नौबत भी आ जाती है

'मेटानिल यलो' अंगों को कर रहा खराब

एक्सपर्ट्स के अनुसार, मिलावटखोर हल्दी को ज्यादा चमकदार दिखाने के लिए 'मेटानिल यलो' नामक सिंथेटिक डाई का इस्तेमाल कर रहे हैं। डॉक्टरों के मुताबिक- यह औद्योगिक रंग शरीर के संपर्क में आते ही तीव्र रिएक्शन करता है। इससे शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता गिर जाती है। गंभीर हालत में मरीज 'एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम' का शिकार हो सकता है फेफड़ों में पानी भर सकता है या वे काम करना बंद कर सकते हैं।

मेट्रो : सुरक्षा साधनों की भी जांच के बाद एनओसी मिली

एलिवेटेड कॉरिडोर पर संचालन जल्द

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● गांधी नगर से रेडिसन तक साढ़े 17 किलोमीटर के एलिवेटेड कॉरिडोर पर मेट्रो का व्यवसायिक संचालन शुरू किया जाना है, जिसकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। जब शासन हरी झंडी देगा, तबसे मेट्रो ट्रेन दौडने लगेगी। 16 मेट्रो स्टेशन भी तैयार हो गए हैं और सुरक्षा साधनों की भी जांच के बाद एनओसी मिल गई है।

अभी यात्रियों की संख्या अत्यंत कम है, जिसके चलते बर्थ-डे सहित अन्य पार्टियों के लिए भी मेट्रो के इस्तेमाल की अनुमति दी है। अब यात्रियों के अभाव में निजी पार्टियों की अनुमति देना पड़ रही है। दूसरी तरफ साढ़े 5 किलोमीटर के कॉरिडोर पर मेट्रो का संचालन तो चल रहा है, जो कि गांधी नगर से टीसीएस चौराहा तक है। मगर अब पूरे साढ़े 17 किमी. में व्यावसायिक संचालन शुरू किया जाना है और गांधी नगर से रेडिसन चौराहा तक 16 स्टेशन भी मेट्रो कॉर्पोरेशन ने तैयार कर लिए हैं। रंगाई-पुताई के साथ छुट-पुट काम पूरे किए जा रहे हैं। कुछ समय पूर्व कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी की टीम ने भी दौरा कर अपनी एनओसी जारी कर दी है। यानी गांधी नगर से रेडिसन तक मेट्रो दौड़ सकेगी। अब बस इसके उद्घाटन की तारीख का इंतजार है।

दूसरी तरफ गांधी नगर से एयरपोर्ट के हिस्से में भी काम चल रहा है। यहां से मेट्रो अंडरग्राउंड होना है और दूसरी तरफ खजराना चौराहा से अंडरग्राउंड होकर एमजी रोड, कोठारी मार्केट, राजवाड़ा होते हुए बड़ा गणपति से एयरपोर्ट तक का हिस्सा अंडरग्राउंड रहेगा। हालांकि अभी खजराना चौराहा तक अवश्य एलिवेटेड कॉरिडोर का काम चल रहा है। मगर अंडरग्राउंड को लेकर कोई तैयारी नहीं हुई। सिर्फ एयरपोर्ट की ओर से ही काम शुरू किया गया है और अंडरग्राउंड रुट को लेकर विरोध भी लगातार सामने आ रहे हैं। दूसरी तरफ कॉर्पोरेशन के प्रयास हैं कि एयरपोर्ट से गांधी नगर वाला हिस्सा तैयार हो जाए, जिसके चलते एयरपोर्ट से लेकर विजय नगर मेटो की कनेक्टिविटी हो सके।

स्वच्छता में नंबर-1 बनने के लिए महापौर का प्लान

सफाई पर सख्त मॉनिटरिंग; 9 एमआईसी सदस्यों को सौंपी 22 जोनों की जिम्मेदारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 में लगातार नंबर-1 का ताज बरकरार रखने के लिए मेगा प्लान तैयार किया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शहर के सभी 22 जोनों की जिम्मेदारी एमआईसी मेंबरों को सौंप दी है।

महापौर ने निर्देश दिए हैं कि सर्वेक्षण पूरा होने तक एमआईसी मेंबर रोजाना अपने-अपने जोनों का दौरा करेंगे। वे क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर स्वच्छता कार्यों, विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की निगरानी करेंगे।

उन्होंने साफ कहा कि हर दिन फील्ड पर जाकर सफाई व्यवस्था, लोगों की सुविधाओं और विकास कार्यों की गुणवत्ता की समीक्षा की जाएगी। साथ ही सभी एमआईसी मेंबरों को अपनी कार्रवाई का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर आगामी बैठकों में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

इससे विकास कार्यों में तेजी आएगी और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक अधिक प्रभावी तरीके से पहुंचेगा।

22 जोनों की जिम्मेदारी, 9 एमआईसी मेंबर मैदान में

- राजेंद्र राठौर – जोन 1, 4
- अश्विनी शुक्ला – जोन 2, 13, 14
- निरंजन सिंह चौहान – जोन 7, 8, 15
- राजेश उदावत – जोन 10, 19
- अभिषेक शर्मा बबलू – जोन 12, 17
- नंदकिशोर पहाड़िया – जोन 3, 9, 16
- प्रिया डांगी – जोन 5, 6
- मनीष शर्मा मामा – जोन 11, 18, 21
- राकेश जैन – जोन 20, 22

बिजली कंपनी के एमडी ने शहर के अधिकारियों की मिटिंग ली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने सोमवार शाम शहर के बिजली अधिकारियों की मिटिंग ली। उन्होंने मैंटेनेंस के कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि बिजली मैंटेनेंस की सफलता तभी मानी जाएगी, जब शिकायतें घटेगी, आपूर्ति अवधि में वृद्धि होगी।श्री सिंह ने मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारियों से सतत पर्यवेक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। इस दौरान जरूरत पड़ने पर ज्यादा क्षमता के ट्रांसफार्मर अविलंब लगाने के निर्देश दिए गए। नए ग्रिडों, नई लाइनों के कार्य समय पर करने को कहा गया। इस दौरान कार्यपालक निदेशक गजरा मेहता, मुख्य अभियंता एसएल करवाड़िया, एसआर बमनके, राजेश जैन, अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक संजय मालवीय, निर्मल शर्मा, तरूण उपाध्याय, शहर अधीक्षण यंत्री श्री डीके गाठे आदि ने विचार रखे।

अरिहंत कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अरिहंत कॉलेज एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मध्य प्रदेश में शिक्षा के विकास हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' का शुभारंभ अरिहंत कॉलेज में हुआ। संगोष्ठी में शिक्षाविदों, शोधार्थियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रथम तकनीकी सत्र का शुभारंभ राष्ट्रगीत,दीप प्रज्वलन, अरिहंत एंथम एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. कल्पेश पाठक, सदस्य WRC, पूर्व कुलगुरु, गुजरात रहे तथा अध्यक्षता डॉ. पी.के. दुबे, प्राचार्य, स्वामी विवेकानंद कॉलेज ने की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं अध्यक्षता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राकेश सिंघई ने की।

जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एवं जिला नोडल अधिकारी (तम्बाकू नियंत्रण) सिद्धार्थ जैन तथा अपर कलेक्टर श्री रोशन राय भी उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम तथा सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में COTPA-2003 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत जिले में कानून के परिपालन पर विशेष बल दिया गया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि बच्चों, किशोरों और युवाओं को तम्बाकू के दुष्प्रभावों से बचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में सभी विभाग मिलकर कार्य करें।

शादी करो वरना फोटो वायरल कर दूंगा

एआई से फोटो एडिट कर छात्रा को किया ब्लैकमेल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बाणगंगा में रहने वाली एक कॉलेज छात्रा ने अपने परिचित युवक पर एआई की मदद से फोटो एडिट कर बदनाम करने और सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक निजी कॉलेज में फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही छात्रा की शिकायत पर आरोपी निवासी राऊ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़िता ने बताया कि साल 2024 में उसकी बहन की शादी के दौरान आरोपी से पहचान हुई थी। शादी समारोह में दोनों के बीच सामान्य बातचीत हुई और इसी दौरान आरोपी ने कुछ फोटो भी लिए थे। कुछ समय बाद आरोपी ने छात्रा पर शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया। मना करने पर उसने धमकी दी कि शादी में खींची गई तस्वीरों को एआई से एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। छात्रा के अनुसार आरोपी लगातार बात करने और रिश्ता स्वीकार करने का दबाव बनाता रहा। जब परिवार ने दूसरी जगह शादी की बात शुरू की तो आरोपी ने वहां भी बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने यह बात अपनी बहन और जीजा को बताई। परिवार ने आरोपी से बात की तो उसने मोबाइल पर अभद्रता की और छात्रा के एडिट किए हुए फोटो भेज दिए। करीब दो महीने पहले जब युवती की सगाई हुई तो आरोपी उसके घर पहुंच गया और मंगेतर के सामने युवती को लेकर कई बातें कही। इसके बाद सगाई टूट गई। बाद में परिवार ने वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की, जिसके बाद मामला थाने पहुंचा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ ब्लैकमेलिंग, धमकी और आईटी एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला समिति ने पूजन कर किया सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सरयूपारिण ब्राह्मण महिला समिति के तत्वावधान में मालव मील स्थित सभागार में मातृदिवस पर माताजी एवं सासूमां का पूजन कर तुलसी माला आदि भेंटकर सम्मान किया गया। समाज की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष सुभाषचंद्र दुबे, कन्नू मिश्रा, लालजी तिवारी, डॉ रजनी पांडेय, रश्मि तिवारी, रेखा त्रिपाठी, रचना मिश्रा, जागृति दुबे, प्रीति दुबे आदि का विशेष सहयोग रहा।

कलेक्टर द्वारा यातायात सेल का गठन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में सुव्यवस्थित यातायात के सुचारू रूप से संचालन की दृष्टि से यातायात सेल का गठन किया गया है। कलेक्टर ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। गठित यातायात सेल में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी रोशन राय, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात संतोष कोल, नगर निगम अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, संयुक्त कलेक्टर ओम नारायण सिंह बड़कुल तथा नायब तहसीलदार महू देवेन्द्र कछायाा को शामिल किया गया है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, मंगलवार 12 मई 2026

जल ही शक्ति, एक-एक बूंद का सदुपयोग करना ही सच्ची सेवा, नर्मदा अमृतधारा देने वाली संजीवनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत वह देवभूमि है जो माटी से जुड़कर जीना जानती और सिखाती है। दुनिया में सबसे पहले माटी की महत्ता भारत ने ही जानी और पहचानी है। हम सबके जाति और धर्म भले ही अलग-अलग हों, मिटटी तो एक ही है। मिटटी के बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं हो सकता। माटी से जुड़कर जीने की बात पूरे विश्व को केवल भारत ने ही सिखाई है। माँ नर्मदा केवल नदी या जलधारा नहीं, जीवन का ऐसा प्रवाह है जो हमें जीने की शक्ति, ऊर्जा और प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है। माँ नर्मदा भगवती का ऐसा स्वरुप है, जहाँ कदम-कदम पर आज भी देवताओं का वास और निवास माना जाता है। यह जल नहीं, अमृत की धारा देने वाली संजीवनी है जिसकी महत्ता को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं। यह ऐसा चलित तीर्थ है, जो प्रवचन नहीं, बल्कि अनुभूति का विषय है। देवी अहिल्या की यशगाथा ने मालवा को पूरे देश का समृद्ध और शक्तिशाली शहर बना दिया जिसमें माँ नर्मदा का सबसे बड़ा योगदान है। खजराना गणेश की प्रतिमा भी जल से निकली हुई प्रतिमा है जिसमें कहीं ना कहीं जल की ऐसी शक्ति है जो अनेक रोगों और समस्याओं को दूर करने में मददगार हो सकती है।

केदारमल बने अध्यक्ष, भरत को सचिव की जिम्मेदारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● माहेश्वरी समाज के इंदौर के सबसे बड़े ट्रस्ट श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री आनंदम भवन के सत्र 2026-28 के लिए कार्यसमिति के 29 सदस्यों का निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ। निर्वाचन के बाद ट्रस्ट पदाधिकारियों की घोषणा की गई, जिसमें केदारमल जाखेटिया को अध्यक्ष, घनश्याम झंवर को उपाध्यक्ष, सीए भरत सारडा को सचिव, अश्विनी लखोटिया को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया।

मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल चुनाव आज

11 मतदान केंद्रों पर होगा मतदान 10 हजार से अधिक वकील डालेंगे वोट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल के 25 प्रतिनिधियों के चुनाव के लिए सोमवार 12 मई को प्रदेशभर में मतदान होगा। इंदौर जिला कोर्ट सहित प्रदेश की सभी अदालतों में मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इंदौर कोर्ट परिसर में मतदान के लिए 11 केंद्र बनाए गए हैं। यहां कुल 10,537 अधिवक्ता मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। प्रदेशभर में 121 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जबकि इंदौर से 22 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

इंदौर से मैदान में उतरे प्रमुख उम्मीदवारों में विवेक सिंह, हितोषी जय हार्डिया, सुनील गुप्ता, नरेंद्र कुमार जैन, खिलाड़ी लाल गनगौरे, सुरेंद्र कुमार वर्मा, निमेष पाठक, तनुज दीक्षित, राकेश सिंह भदौरिया, अखिलेश कुमार सक्सेना समेत अन्य शामिल हैं।

1962 से 2026 तक सदस्यता लेने वाले अधिवक्ताओं के लिए अलग मतदान केंद्र-मुख्य मतदान अधिकारी एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक कुमार मिश्रा ने बताया कि मतदान प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के लिए अधिवक्ताओं की सदस्यता वर्ष और मतदाता क्रमांक के आधार पर अलग-अलग मतदान केंद्र तय किए गए हैं।

मतदान केंद्र नए कोर्ट भवन के सभागार, अधिवक्ता ग्रंथालय, बार रूम के सामने, टेनिस हॉल और मुख्य अधिवक्ता कक्ष में बनाए गए हैं। वर्ष 1962 से 2026 तक सदस्यता लेने वाले अधिवक्ताओं के लिए अलग-अलग केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

केवल एक प्रवेश द्वार, 200 गज तक प्रचार प्रतिबंधित-मतदान के लिए जिला कोर्ट परिसर में केवल एक प्रवेश द्वार रखा गया है। मतदान केंद्र से 200 गज की परिधि में किसी भी प्रकार का चुनाव प्रचार पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। मतदान सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। हालांकि शाम 5 बजे तक केंद्र पर मौजूद मतदाताओं को वोट डालने की अनुमति रहेगी। मतदान के दौरान प्रत्येक अधिवक्ता को राज्य अधिवक्ता परिषद, जिला या तहसील अधिवक्ता संघ द्वारा जारी परिचय पत्र दिखाना अनिवार्य होगा।

25 प्रतिनिधि चुने जाएंगे, लेकिन 23 उम्मीदवारों को ही दे सकेंगे वोट-स्टेट बार काउंसिल चुनाव हर पांच वर्ष में आयोजित किए जाते हैं। इस बार राज्य स्तर पर निर्वाचन अधिकारी सुशील कुमार पालो बनाए गए हैं।

आभासी सम्मेलन संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज सम्यक ज्योतिष विचार मंच द्वारा जैमिनी ज्योतिष शास्त्र विषय पर एक अत्यंत ज्ञानवर्धक, आध्यात्मिक एवं गरिमामय आभासी सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से उपस्थित ज्योतिष विद्वानों एवं साधकों ने सहभागिता कर कार्यक्रम को विशेष स्वरूप प्रदान किया । कार्यक्रम का शुभारंभ आदरणीय सुनील गौतम द्वारा किए गए दिव्य मंगलाचरण से हुआ । उनके पावन उच्चारण एवं भक्तिमय स्वर ने संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा एवं सकारात्मकता से परिपूर्ण कर दिया। इसके पश्चात समूह के संस्थापक ओंकारनाथ कोष्ठा द्वारा उपस्थित समस्त विद्वानों एवं अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया । उनके प्रेरणादायी शब्दों ने सम्मेलन के वातावरण को सौहार्द, ज्ञान एवं सम्मान से अभिभूत कर दिया ।

तत्पश्चात पुनीत पारिख द्वारा सम्यक ज्योतिष विचार मंच की स्थापना, उसके मूल उद्देश्य, वैदिक ज्ञान के संरक्षण तथा ज्योतिष साधकों को एक सशक्त एवं शास्त्रीय मंच प्रदान करने के संकल्प पर अत्यंत विस्तृत एवं प्रेरणादायी जानकारी प्रदान की गई । उनके विचारों ने मंच की आध्यात्मिक भावना एवं उद्देश्य को अत्यंत सुंदर रूप से स्पष्ट किया ।

इसके उपरांत कुंदन शाश्वत द्वारा जैमिनी ज्योतिष शास्त्र का अत्यंत सुंदर एवं संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया गया । उन्होंने जैमिनी सिद्धांतों की महत्ता, उनकी विशिष्टता तथा आध्यात्मिक गहराई को सरल एवं प्रभावशाली शब्दों में व्यक्त कर श्रोताओं को विषय के प्रति विशेष रूप से आकर्षित किया । सम्मेलन में सुनील कुमार पांडेय एवं सुमित शुक्ला द्वारा जैमिनी ज्योतिष के गूढ़ सिद्धांतों, रहस्यमयी सूत्रों एवं व्यवहारिक पक्षों पर अत्यंत अद्भुत, सारगर्भित एवं प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किए गए । उनके व्याख्यान ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ ज्योतिष साधकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी भी रहे । साथ ही पूज्य चंद्रमोहन शुक्ल का स्नेह, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त होना इस सम्मेलन की विशेष उपलब्धि रही । उनके आशीर्वचनों ने समस्त उपस्थित जनों को आध्यात्मिक ऊर्जा एवं नवीन प्रेरणा प्रदान की कार्यक्रम का सुंदर समापन एवं हृदयस्पर्शी आभार प्रदर्शन नंदकिशोर कौशिक द्वारा किया गया, जिन्होंने अत्यंत विनम्र एवं गरिमामय शब्दों में समस्त वक्ताओं, विद्वानों एवं सहभागियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की । निस्संदेह यह सम्मेलन केवल एक सामान्य आयोजन न होकर, ज्योतिष साधकों एवं जिज्ञासुओं के लिए ज्ञान, चिंतन, साधना एवं आध्यात्मिक उन्नति का एक दिव्य संगम सिद्ध हुआ । माँ सरस्वती एवं महर्षि जैमिनी की कृपा समस्त साधकों पर सदैव बनी रहे ।

अन्नपूर्णा मंदिर पर 108 विद्वान प्रतिदिन करेंगे श्रीमद भागवत का मूल पारायण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में शहर के पश्चिमी क्षेत्र स्थित प्रमुख आस्था केंद्र अन्नपूर्णा आश्रम मंदिर पर 17 मई से 15 जून तक 108 भागवत का मूल पारायण होगा। आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी विश्वैश्वरानंद गिरी महाराज की प्रेरणा से उनके सानिध्य में आचार्य पं. कल्याणदत्त शास्त्री ने निर्देशन में यहाँ प्रतिदिन सुबह 9 से 12 बजे एवं दोपहर 3 से 6 बजे तक 108 विद्वानों द्वारा श्रीमद भागवत का मूल पारायण किया जाएगा।

ग्रीष्मकाल में अपने घर- आंगन में परिंदों को दानापानी रखने के लिए किए सकोरे भेंट - दिलाया संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महानिर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री विशोकानन्द भारती महाराज ने भगवान परशुराम से जुड़े अनेक पौराणिक और प्रेरक तथ्यों को बताते हुए इस आयोजन के लिए आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास को साधुवाद प्रदान किए और कहा कि देश को आगे बढाने की दिशा में भगवान परशुराम के दिखाए रास्ते पर बढ़ना आज की पहली जरूरत है। विशेष अतिथि राष्ट्र कवि पं. सत्यनारायण सत्तन ने पहली बार

इस मंच पर एक श्रोता के रूप में शामिल होकर अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। कार्यक्रम में आए हुए लोगों को श्रीमती भारती शर्मा और पिंकी शर्मा के नेतृत्व मे न्यास की मातृ शक्ति द्वारा ग्रीष्मकाल में मूक परिंदों के लिए दानापानी हेतु सकोरे भेंट कर उन्हें अपने घर आँगन में रखने का संकल्प भी दिलाया गया।

संग्राहक गिरीश शर्मा को 40वां लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गुजरात के दाहोद शहर में आयोजित तीन दिवसीय मुद्रा प्रदर्शनी के समापन अवसर पर रविवार को राष्ट्रीय मुद्रा परिषद के संयोजक और इंदौर के वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री गिरीश शर्मा आदित्य को उनकी विशिष्ट सेवाओं और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। दाहोद में आयोजित इस प्रदर्शनी में 40वां लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड सौंपते हुए आयोजन समिति के सचिव संदीप जैन ने कहा कि आदित्य के पास डेढ़ लाख प्राचीन और दुर्लभ सिक्कों का संग्रह तो है ही, वे अमेरिका और ब्रिटेन सहित विदेशों में भी सम्मानित हो चुके हैं तथा उनकी पुस्तकें भी देशभर में मुद्रा संग्राहकों के बीच लोकप्रिय बनी हुई है।

मदर्स डे पर बीड़ी वाला परिवार ने दान धर्म समाज में अग्रणी शांतिदेवी का किया सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर की दिगंबर जैन समाज के गौरव शाली निरभिमान महादानी बीड़ी वाला परिवार के वरिष्ठ समाज सेवी स्वर्गीय भैया सुंदरलाल जैन के सत कार्यों की प्रेरक रहीं धर्म संगिनी श्रीमती शांति देवी जिन्हें घर परिवार एवं समाज में आदर्श सूचक शांति भाभी के संबोधन से जाना जाता है ने 10 मई मदर्स डे के दिन धर्म से आपुरित अपने सफल सार्थक जीवन के नवति वर्ष पूर्ण कर 91 वें वर्ष में प्रवेश किया इस पावन प्रसंग पर शांति देवी के पुत्र डॉ राकेश जैन एवं राजीव जैन, बंटी भैया, चारों पुत्रीयों, एवं दामाद सहित 51 सदस्यीय बीड़ी वाला परिवार ने शांति भाभी को शाल, श्रीफल, मोतियों की माला और अभिनंदन पत्र भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर नरेंद्र जैन पप्पाजी, आजाद जैन, डॉ अशोक जैन, डॉ दीपक जैन, विकास अमित मनोज जैन सहित नगर के गणमान्य डॉक्टर चिकित्सक डॉक्टर धनराज पंजवानी ऋषभ सिंघई एन के जैन मुकेश जैन एवं,मुक्ता जैन, सुधा जैन आदि उपस्थित थे।

पीएनबी किचनमेट ने 'सरकटा' फेम सुनील कुमार के साथ लॉन्च किया 'सबसे बड़ा ऑफर' कैंपेन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पीएनबी किचनमेट ने अपना नया कैंपेन 'सबसे बड़ा ऑफर' लॉन्च किया है। इस कैंपेन में कंपनी ने कहानी कहने के नए अंदाज में अपने अब तक के सबसे बड़े कंज्यूमर ऑफर की भव्यता को दिखाया है। इस कैंपेन में एक्टर और प्रोफेशनल रेसलर सुनील कुमार नजर आ रहे हैं। सुनील कुमार ने 2024 की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' में मुख्य विलेन 'सरकटा' का किरदार निभाया था। इस कैंपेन को टियर 2 और टियर 3 क्षेत्रों के उपभोक्ताओं तक पहुंचने और हाई-वैल्यू एवं प्रैक्टिकल किचन सॉल्यूशन देने के पीएनबी किचनमेट के वादे को और मजबूती देने के लिए डिजाइन किया गया है।

हिमालया बेबीकेयर ने लान्च की शिशु के 'पहले अनुभवों' के जरिए 'मम्मा वाली फीलिंग' का जश्न मनाती भावपूर्ण मदर्स डे डीवीसी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत के सबसे भरोसेमंद बेबी केयर ब्रांड्स में से एक हिमालया बेबीकेयर, जिसे शिशु बहुत पसंद करते हैं, ने इस मदर्स डे पर मातृत्व की निरंतर विकसित होती यात्रा का जश्न मनाते हुए एक भावपूर्ण डिजिटल वीडियो कमर्शियल लान्च किया है। यह कैंपेन एक शिशु के 'पहले अनुभवों' की एक श्रृंखला और उनसे उत्पन्न होने वाली सुखद भावनाओं के माध्यम से मातृत्व की इस खूबसूरत यात्रा को उजागर करता है।

'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' थीम पर हेल्थ केयर सोल्जर ने मनाया मातृत्व दिवस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की भावनात्मक और प्रेरणादायक थीम पर हेल्थ केयर सोल्जर द्वारा इस वर्ष मातृत्व दिवस का विशेष आयोजन 10 मई को सुबह 56 दुकान परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृशक्ति, वीर नारियों, सफाई दीदियों, माताओं एवं बहनों के योगदान को सम्मानित करना और समाज में उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना रहा।

छत्रपति शिवाजी महाराज की अनसुनी कहानियाँ शिवशाही महानाट्य इंदौर में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इस मई में इंदौर एक अद्वितीय सांस्कृतिक और ऐतिहासिक उत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। शिवशाही महानाट्य — एक भव्य ऐतिहासिक मेगा नाटक — छत्रपति शिवाजी महाराज के अदम्य साहस, दूरदर्शिता और बलिदान की अनसुनी कहानियों को जीवंत करेगा। यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि स्वराज्य, शौर्य और हिंदू गौरव को समर्पित एक सांस्कृतिक आंदोलन है। यह महानाट्य इंदौर में संस्था शिवराय के बैनर तले 27 से 31 मई 2026 तक इंदौर के दशहरा मैदान में रोजाना शाम 7 बजे होगा। संस्था शिवराय के संस्थापक सदस्य और आयोजन समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र अड़सुले ने कहा कि 'शिवशाही महानाट्य केवल एक नाट्य प्रस्तुति नहीं है, यह हमारी सांस्कृतिक चेतना का पुनर्जागरण है। हिंदवी स्वराज्य संस्थापक श्री छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों को जन- जन तक विशेषकर युवा पीढ़ी तक प्रसारित करने के उद्देश्य से महानाट्य शिवशाही का आयोजन किया जा रहा है।

भीषण गर्मी में श्री राम मंदिर पंचकुइया आश्रम में परिंदों की प्यास बुझाने के लिए छतों पर रखे सकोरे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच श्री राम मंदिर पंचकुइया आश्रम में पक्षियों के लिए सराहनीय पहल की गई। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज ने आश्रम की छतों पर पक्षियों के लिए सकोरे रखवाए, ताकि तेज गर्मी में परिंदों को पानी मिल सके और उनकी प्यास बुझ सके। इस दौरान महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराजश्री ने श्रद्धालुओं और भक्तों को भी अपने घरों की छतों, बालकनी और आसपास के स्थानों पर सकोरे रखने का संकल्प दिलाया।

दि गुरु शंकराचार्यजी की जन्म जयंती पर 51 जाति प्रमुखो ने समरसता महाआरती कर दिया सामाजिक समरसता संदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आदि गुरु शंकराचार्य जी की जन्म जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय दशनाम गोस्वामी समाज युवा शाखा इंदौर द्वारा सामाजिक समरसता और एकता का अनूठा संदेश दिया । जिले के 21 स्थानों पर आयोजित समरसता महाआरती के समापन पर राजवाड़ा परिसर में 51 समाजों के प्रमुखों के साथ समरसता महाआरती की गई।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

भारत के लिए नई सुरक्षा चुनौती: चीन-पाक गठबंधन

चीन की चालबाजी से यह साफ है कि भारत को भविष्य में संघर्ष की स्थिति में और अधिक सतर्क रहना होगा। साथ ही भारत को चीन के नापाक इरादों को कूटनीति के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाना चाहिए। आखिरकार चीन ने दुनिया के सामने यह सच कबूल लिया है कि पिछले वर्ष भारत के 'आपरेशन सिंदूर' के दौरान उसने पाकिस्तान की सहायता की थी। यह पहली बार है, जब चीन ने इस संघर्ष में अपनी प्रत्यक्ष भूमिका स्वीकार की है। हालांकि भारत ने संघर्ष विराम के बाद विश्वास के साथ यह दावा किया था और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस तरह के खुलासे हुए थे, लेकिन चीन ने अब तक इन्हें खारिज कर दिया था। दरअसल, चीन वैश्विक जगत को यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि भारत-पाक संघर्ष के दौरान उसकी भूमिका एक तटस्थ देश की रही है। मगर, चीन और पाकिस्तान की नजदीकियां किसी से छिपी नहीं हैं। अब चीन की इस स्वीकारोक्ति से यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में भारत को सुरक्षा के मोर्चे पर एक साथ कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और इसी लिहाज से अपनी रक्षा नीतियां, कूटनीति और रणनीति तैयार करनी होंगी। पिछले कुछ समय से ऊपरी तौर पर चीन का रुख भले ही भारत को लेकर आक्रामक न रहा हो, लेकिन वैश्विक स्तर पर उसकी छवि एक ऐसे देश की है, जिस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि पिछले वर्ष 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। इसके जवाब में भारत ने 'आपरेशन सिंदूर' चलाकर सीमा पार आतंकियों के कई ठिकानों पर हमला किया था। इस कार्रवाई में सौ से ज्यादा आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी। भारत के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने पिछले साल जुलाई में यह दावा किया था कि चीन ने इस संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी मदद प्रदान की थी। भारत की सैन्य तैनाती की निगरानी के लिए उसने अपने उपग्रहों का भी इस्तेमाल किया था। तब चीन ने इस दावे को खारिज कर दिया था। मगर बीते गुरुवार को चीन के विमानन उद्योग निगम के चेंगदू वायुयान डिजाइन एवं अनुसंधान संस्थान के एक वरिष्ठ इंजीनियर ने मीडिया से एक साक्षात्कार में माना कि आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को प्रौद्योगिकी मदद प्रदान की गई थी।

क्षेत्रीय दलों की ढीली होती पकड़

2026 के विधानसभा चुनाव नतीजों ने देश की राजनीति में एक बड़ा ट्रेंड साफ कर दिया है। क्षेत्रीय पार्टियों की पकड़ लगातार कमजोर हो रही है और मतदाता तेजी से राष्ट्रीय दलों खासकर भारतीय जनता पार्टी की ओर झुकते दिख रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की 15 साल पुरानी सत्ता का अंत और तमिलनाडु में डीएमके की अप्रत्याशित हार इस बदलाव का सबसे बड़ा संकेत है। तमिलनाडु में जहां नई पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम ने राजनीति में दमदार एंट्री की, वहीं यह भी साफ हुआ कि पारंपरिक क्षेत्रीय राजनीति पार्टियों का प्रभाव पहले से कमजोर हुआ है। तमिल पहचान और गौरव के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली डीएमके को सत्ता विरोधी लहर ने करारा झटका दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भी हार का सामना करना पड़ा। यह ये भी दिखाता है कि केवल क्षेत्रीयता की भावना चुनाव जिताने के लिए काफी नहीं हैं। देश के अन्य हिस्सों में भी विभिन्न क्षेत्रीय पार्टियों की स्थिति कमोबेश यही है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा को चुनौती दे रही थीं, लेकिन भाजपा ने पश्चिम बंगाल में जीत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का सफाया कर दिया और अगले लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस का क्या हो सकता है, यह समझाने के लिए किसी राजनीतिक विचारक की जरूरत नहीं है। हालांकि, तृणमूल के भविष्य की भविष्यवाणी की जा सकती है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और उनकी सरकार का बजट एक अलग मुद्दा है, लेकिन अगर ममता जीत गई होतीं, तो वह हमेशा चुनौतीपूर्ण राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभातीं। बनर्जी को भी घर भेज दिया गया है। यह सिर्फ इस राज्य में नहीं हुआ है। दो साल पहले भाजपा ने पड़ोसी ओडिशा में नवीन पटनायक के बीजू जनता दल के 25 साल के शासन को इसी तरह खत्म कर दिया था। नवीन पटनायक ने हमेशा भाजपा के पक्ष में रुख अपनाया था, लेकिन जब उन्हें एहसास हुआ कि वह पटनायक को हरा सकते हैं, तो भाजपा ने आक्रामक राजनीतिक रुख अपनाया और घर में एक पुराने दोस्त को स्थापित किया। आश्चर्यचकित मत होइए। आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना में केके रेड्डी। भाजपा ने दो क्षेत्रीय दलों चंद्रशेखर राव के मुख्यमंत्रियों को भी कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल किया। इन दोनों दलों ने संसद में समय-समय पर भाजपा की मदद की है। लेकिन जब समय आया तो भाजपा ने दोनों सहयोगियों को पीछे धकेल दिया।

इतना ही नहीं, हमेशा से बीजेपी की मददगार रही और हमेशा विपक्ष की दोस्त रही चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को दिल्ली में शराब घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। बीजेपी ने जगन मोहन के विरोधी तेलुगू देशम के चंद्रबाबू नायडू के साथ गठबंधन किया और कर्नाटक में देवगौड़ा के सेक्युलर जनता दल को गिरा दिया, राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी 10 साल तक दिल्ली की सत्ता में रही। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों को बांटकर बीजेपी ने इस बात की झलक दिखाई है कि पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में क्या हो सकता है। इस सूची में बीएसपी को भी शामिल किया जा सकता है जो फिलहाल आप की तरह ही राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है पर 2024 के लोकसभा चुनाव में कमजोर पड़ गई थी और अपने गढ़ उत्तर प्रदेश में उसका आधार भी खिसकता दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में बसपा का वोट शेयर 19। 4% (2019) से गिरकर मात्र 9। 39% (2024) रह गया। 2024 में इसने अपने सभी 10 सीटें गंवा दीं और शून्य पर सिमट गई। हालांकि इस बीच इसने मध्य प्रदेश में मामूली सुधार किया। यहां वोट शेयर 2019 के 2। 38% से बढ़कर 2024 में 3। 28% हो गया। क्षेत्रीय दलों के प्रति भाजपा की कितनी जुनूनी है, इस मामले में महाराष्ट्र का उदाहरण बहुत पुराना नहीं है।भाजपा ने एकनाथ शिंदे और अजित पवार की बगावत को भड़काकर शिवसेना और एनसीपी दोनों को कमजोर कर दिया। इन दोनों दलों के पास अब भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह पहले ही 2029 में राज्य में आत्मबल का मंत्र दे चुके हैं। अगर ऐसा मौका मिलता है तो बीजेपी छूट जाएगी। अकाली दल (पंजाब), असम गण परिषद (असम) और गोवा में महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) ने इन राज्यों में क्षेत्रीय दलों के साथ हाथ मिलाया है। 1970 के दशक में भाषाई प्रांतीयतावाद के कारण क्षेत्रीय दलों का धीरे-धीरे उदय हुआ, जिसके परिणामस्वरूप असंतोष पैदा हुआ, बढ़ती क्षेत्रीय पहचान, कांग्रेस के सत्ता में रहने पर राज्यों की उपेक्षा हुई, दक्षिण भारत में क्षेत्रीय पहचान जल रही थी और क्षेत्रीय दलों के लिए माहौल बना था। द्रमुक ने 1967 में हिंदी मजबूरी के खिलाफ आंदोलन के माध्यम से तमिलनाडु में सत्ता हासिल की, तब से लेकर राज्य में कल टीवी की जीत तक, द्रमुक और उसके सहयोगी दलों ने राज्य में बिखरी हुई अन्नाद्रमुक का दबदबा बना हुआ है। फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव द्वारा स्थापित तेलुगू देशम ने दो तिहाई से अधिक सीटें जीती हैं, जबकि मुंबई में शिवसेना 'हटाओ लुंगी' के नारे पर आगे बढ़ी है। गिरा दिया। शरद पवार से लेकर ममता बनर्जी, जगनमोहन रेड्डी और चंद्रशेखर राव तक, विभिन्न क्षेत्रीय दलों के नेताओं की जड़ें कांग्रेस में हैं। उस अर्थ में, यह कांग्रेस के पेड़ पर एक भ्रष्टाचार है, लेकिन इन नेताओं ने आंतरिक विरोध या दिल्ली की राजनीति से अपनी पार्टियां बनाईं।

हालांकि सिमटते क्षेत्रीय दलों के संदर्भ में कुछ अपवाद भी हैं। इसमें सबसे आगे झारखंड की झारखंड मुक्ति मोर्चा है, जिसने नवंबर 2024 में हुए झारखंड विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज की। इंडिया गठबंधन के छत्र तले उसने अकेले 34 सीटें जीतीं, जबकि पूरे गठबंधन को 81 में से 56 सीटें मिली थीं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस भी अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। 2024 के चुनाव में कुल 90 सीटों में से 42 सीटें अकेले ह्ष्ट ने जीतीं। कांग्रेस (6 सीटें) और सीपीआईएम के साथ इस गठबंधन ने बहुमत (46+ सीटें) का आंकड़ा पार कर लिया। तो जेएमएम और नेशनल कान्फ्रेंस, दोनों ही दल अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं।

दरअसल, अगर देश के सभी भाजपा विरोधी दल एक साथ आ जाएं तो भाजपा के लिए उनका सामना करना मुश्किल है, इसका ताजा उदाहरण महिला आरक्षण और परिसीमन के संदर्भ में पेश किया गया संविधान संशोधन विधेयक है। पिछले लोकसभा चुनाव में इंडिया अलायंस के रूप में सभी प्रमुख विपक्षी दलों के एक साथ लड़ने के परिणामस्वरूप 'चरसो पार' का नारा देने वाली भाजपा बहुमत के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाई थी। कांग्रेस लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बन गई, जो कांग्रेस विरोधी नारा भाजपा ने हमेशा उठाया है। आज, भाजपा की निरंकुशता का विरोध कांग्रेस और उसकी परिधि का एजेंडा है, जबकि कांग्रेस की निरंकुशता के खिलाफ विपक्षी एकता का विचार 1960 के दशक में दिग्गज समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया द्वारा प्रतिपादित किया गया था। असली ताकत 1967 में कांग्रेस में विभाजन के बाद ही बढ़ी। उस चुनाव में कांग्रेस ने देश के आठ राज्यों में सत्ता गंवा दी थी।

2014 में जब भाजपा सत्ता में आई तो मोदी-शाह ने 'कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे के साथ इस दिशा में कदम उठाए। यही कारण है कि देश के 70 प्रतिशत से अधिक भूभाग पर वर्तमान में भाजपा या उसके सहयोगियों का शासन है। भाजपा ने दक्षिण भारत को छोड़कर देश के सभी हिस्सों में अपना आधार बना लिया है। पिछले 12 साल की सत्ता में रहने के बाद भी कांग्रेस भाजपा को क्यों नुकसान पहुंचा रही है, इस सवाल का जवाब उसे मिलने वाले वोटों के प्रतिशत में निहित है।

एक बार कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के बीच मुकाबला होने के बाद भाजपा ने कई राज्यों में खुद को स्थापित कर लिया और फिर धीरे-धीरे इन दलों का सफाया कर दिया, जिसमें कांग्रेस और उनकी पार्टियों के नेता भी शामिल थे। लेकिन ये नतीजे इस बात को रेखांकित करते हैं कि कांग्रेस को अब लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज की जिम्मेदारी को और गंभीरता से लेना होगा।

विपक्ष एक तरफ वह संघीय ढांचे और राज्यों के अधिकारों की बात कर रहा है, दूसरी तरफ मतदाता राष्ट्रीय नेतृत्व और स्थिरता को प्राथमिकता देते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने 2024 में बेहतर प्रदर्शन जरूर किया, लेकिन वह अभी तक खुद को बीजेपी के मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित नहीं कर पाई है। दक्षिण भारत अब भी क्षेत्रीय दलों का गढ़ माना जाता है, लेकिन वहां भी दबाव बढ़ रहा है। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति की हार इसका ताजा उदाहरण है। कुल मिलाकर 2026 के विधानसभा चुनाव नतीजे यह स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि भारतीय राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां क्षेत्रीय पहचान की जगह राष्ट्रीय मुद्दे और नेतृत्व ज्यादा अहम हो गए हैं।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

बाग-कुक्षी में डेढ़ माह से 108 एंबुलेंस सेवा ठप : मरीज-परिजन हो रहे परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

कुक्षी, धार • सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाग और कुक्षी सिविल अस्पताल में संजीवनी एक्सप्रेस 108 एंबुलेंस सेवा पिछले डेढ़ माह से बंद पड़ी है। बाग में यह सेवा 40 दिनों से, जबकि कुक्षी में एक माह से ठप है। इससे आकस्मिक चिकित्सा सुविधा के लिए मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ठेकेदार कंपनी जय अंबे इमरजेंसी सर्विसेज भोपाल के जिला प्रबंधक 108 वाहनों की अनुपलब्धता को लेकर बहाने बना रहे हैं। उनका कहना है कि वाहन खराब होने के कारण राजगढ़ मरम्मत के लिए भेजे गए हैं। हालांकि, जानकारी के अनुसार वाहन में मामूली खराबी थी जिसे एक दिन में ठीक किया जा सकता था। कंपनी द्वारा डेढ़ माह से सेवा बंद होने के बावजूद अनुबंध के तहत पूरे वर्ष की राशि शासन से ली जा रही है।

खंडवा के ब्लैक स्पॉट पर सुरक्षा सुधार शुरू :साइन बोर्ड, रोड मार्किंग लगेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

खंडवा • खंडवा में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस और एमपीआरडीसी की संयुक्त टीम ने सोमवार को शहर के चिन्हित ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का जायजा लेकर सड़क सुरक्षा से जुड़े कई जरूरी निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देश पर डीएसपी अनिल कुमार राय, एसडीओ राहुल चौहान और ट्रैफिक टीआई देवेंद्र सिंह परिहार ने शहर के दो प्रमुख ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इनमें माता चौक से रामनगर तक और चिराखदान से टीठिया जोशी पुल तक का मार्ग शामिल रहा।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने इन क्षेत्रों में बार-बार हो रही सड़क दुर्घटनाओं, यातायात दबाव, सड़क की स्थिति, संकेतकों, स्पीड ब्रेकर, प्रकाश व्यवस्था और पैदल यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में मिले सुझावों के आधार पर कई सुधार कार्यों पर जोर दिया गया। यातायात अधिकारियों ने तेज रफ्तार पर नियंत्रण, उचित स्थानों पर साइन बोर्ड लगाने, रोड मार्किंग कराने, खराब स्पीड ब्रेकर सुधारने, कैट आई लगाने और सड़क किनारे उगी झाड़ियों की कटाई कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एमपीआरडीसी अधिकारियों को सड़क की तकनीकी खामियां दूर करने और जरूरी संरचनात्मक सुधार जल्द लागू करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों का कहना है कि इन सुधारों का उद्देश्य सड़क हादसों में कमी लाना और लोगों को सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है।

खंडवा सांसद का दिया टैंकर चार महीने में टूटा :गांव में अंत्येष्टि के दौरान हादसा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

खंडवा • खंडवा में जनप्रतिनिधियों के द्वारा पेयजल समस्या को सुलझाने के लिए दिए गए पानी टैंकर उल्टी मुसीबत बन गए हैं। सांसद का दिया टैंकर चार महीने भी नहीं टिक पाया। गांव में एक अंत्येष्टि के दौरान टैंकर में पानी भरकर उसे श्मशान घाट ले जाया जा रहा था। तभी रास्ते में वह लॉकिंग एरिया के पास से ट्रेक होकर ट्रैक्टर से अलग गया।

मामला खंडवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बावड़ियांकाजी (ग्राम पंचायत सिरपुर) का हैं। जहां सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल निधि से प्रदत्त टैंकर क्षतिग्रस्त हो गया। यह टैंकर चार महीने पहले यानी फरवरी 2026 में ही ग्राम पंचायत को दिया गया था। अब एक अंत्येष्टि के दौरान पानी के लिए टैंकर की जरूरत पड़ी तो श्मशान घाट ले जाते वक्त वह टूट गया।

उसकी वेल्डिंग बहुत ही हल्की थी। ऐसे में अब सिस्टम पर सवाल उठने लग गए हैं।

सरपंच प्रतिनिधि दीपक पटेल ने बताया कि, इस हादसे के दौरान गनीमत रही कि ट्रैक्टर ड्राइवर की जान बच गई। वरना ढलान उतरते वक्त हादसा के दौरान ट्रैक्टर पलटी खा जाता। टैंकर को सुधारने के लिए उसी समय खंडवा से वेल्डर बुलाया और वेल्डिंग कराई। फिर टैंकर को वापस खंडवा ले जाकर नये सिरे से पूरे टैंकर पर मजबूत वेल्डिंग कराई गई। नये टैंकर की वेल्डिंग बहुत ही कमजोर थी। यह टैंकर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाता हैं। सरपंच प्रतिनिधि दीपक पटेल ने बताया कि, सांसद द्वारा प्रदत्त टैंकर की हालत काफी गुणवत्ताहीन थी।

फोरलेन जमीन अधिग्रहण पर किसानों ने मांगा चार गुना मुआवजा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

खरगोन • खरगोन में राष्ट्रीय राजमार्ग 347B (देशगांव-खरगोन-जुलवानिया फोरलेन) के लिए भूमि अधिग्रहण पर किसानों ने 4 गुना मुआवजे की मांग की है। भारतीय किसान मजदूर महासंघ ने नई नीति के अनुसार मुआवजा देने की अपील की है। सोमवार दोपहर 12 बजे अनाज मंडी में हुई बैठक में किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो वे राष्ट्रीय राजमार्ग का काम ठप कर देंगे। महासंघ के प्रांतीय पदाधिकारी गोपाल पाटीदार ने बैठक में कहा कि किसानों के साथ किसी भी तरह का छलावा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि नई नीति के तहत 4 गुना मुआवजा नहीं मिला, तो किसान आंदोलन करने को मजबूर होंगे। खरगोन तहसील अध्यक्ष सुखदेव पाटीदार ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 24 अप्रैल को भूमि अधिग्रहण कानून में संशोधन कर मुआवजे की दर को 2 गुना से बढ़ाकर 4 गुना कर दिया था। हालांकि, खरगोन जिले में अभी भी 2 गुना की दर से ही मुआवजे का निर्धारण किया जा रहा है, जिसका महासंघ कड़ा विरोध कर रहा है।

निमाड़ का केसर आम का स्वाद गुजरात जैसा

मनावर के किसान ने बाग लगाया दिल्ली और जयपुर मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

मनावर • मनावर के समीप ग्राम गुलाटी में किसान दीपक पाटीदार ने अल्ट्रा हाई डेंसिटी प्लांटेशन तकनीक से केसर आम का सफल उत्पादन किया है। उनके बाग से निकले आम अब दिल्ली और जयपुर की मंडियों में 150 प्रति किलोग्राम के थोक भाव पर बेचे जा रहे हैं।

किसान पाटीदार ने वर्ष 2023 में 8 बीघा खेत में केसर आम के चार हजार पौधे लगाए थे। इन पेड़ों की ऊंचाई लगभग 8 फीट है, जिससे जमीन पर खड़े होकर आसानी से आम तोड़े जा सकते हैं। इस सीजन में पहली बार फल आए हैं, और प्रत्येक आम का वजन करीब 300 से 400 ग्राम है। पाटीदार का दावा है कि उनके द्वारा

जैविक तरीके से उगाए गए इन केसर आमों की मिठास गुजरात के प्रसिद्ध केसर आम से भी बेहतर है। इस सफल प्रयोग ने निमाड़ क्षेत्र में व्यावसायिक स्तर पर आम की खेती की नई संभावनाएं खोली हैं। दीपक पाटीदार, जो शुरू से ही खेती-किसानी से जुड़े रहे हैं, ने कुछ साल पहले यह जमीन खरीदी थी। उन्होंने कई कृषि विशेषज्ञों से चर्चा करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि पारंपरिक खेती की तुलना में फलों की खेती अधिक लाभदायक है। गहन विचार-विमर्श के बाद, उन्होंने लगभग 26 लाख रुपये खर्च कर जैविक केसर आम की खेती शुरू करने का फैसला किया। ज्यादा भाव वाला फल ज्यादा मुनाफा देगा, यह सोचते हुए केसर आम के पेड़ लगाना तय किया। कारण इसका भाव 120 से 160 रुपए प्रति किलो तक होता है। बड़े शहरों में केसर की डिमांड भी अच्छी है। किसान पाटीदार ने बताया कि आम की अच्छी किस्म के चयन के लिए कई राज्यों के किसानों से संपर्क और इसके अलावा इंटरनेट पर गूगल, यूट्यूब पर भी जानकारी ली गई।

1 जून से आवागमन के लिए खुलेगी 100 वर्ष पुरानी सड़क

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

पुनासा • नगर में किले के पीछे वाली सड़क दशकों बाद आम लोगों के आवागमन के लिए खुलने का रास्ता साफ हो गया है। 73 लाख की लागत से 800 मीटर सीसी रोड का निर्माण किया जा रहा है। संभवतः 1 जून से यह आवागमन को लिए खोल दी जाएगी। शनिवार को नगर परिषद अध्यक्ष रूपेश पंवार तथा वार्ड पार्षद ने निर्माण कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश दिए। यह सड़क अंग्रेजी हुकूमत के समय पुनासा की मुख्य सड़क हुआ करती थी। धीरे-धीरे अतिक्रमण के चलते सड़क विलुप्त ही हो गई थी। सड़क निर्माण के लिए नगर परिषद और प्रशासन को अतिक्रमण हटाना पड़ा था। सीमांकन में 30 फीट से लेकर 66 फीट तक चौड़ाई निकली। परिषद द्वारा नाली और साइड शोल्डर सहित 8 मीटर चौड़ाई रखी गई है। नप अध्यक्ष ने वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान वार्डवासियों ने को बताया वर्षाकाल के दौरान शिव मंदिर की पुलिया के ऊपर से पानी बहता है जिससे मंदिर पहुंचने में परेशानी होती है।

आईपीएल में आज प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेंगे गुजरात और हैदराबाद

अहमदाबाद (एजेंसी) ● आईपीएल में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। दोनो ही टीमों ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किये है और बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। इनका लक्ष्य अब ये मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी रही है और वह जीत की दावेदार है। उसके पास साई सुदर्शन और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज हैं।

वहीं पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स के पास भी वैभव सूर्यवंशी ओर यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज हैं। दोनो ही टीमों की गेंदबाजी भी अच्छी है सनराइजर्स के पास पैट कमिंट जबकि गुजरात के पास कागिसो रबाडा जैसा गेंदबाज है।

अब तक दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं उसमें से गुजरान ने 5 जबकि सनराइजर्स ने 1 जीता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, राशिद खान, अरशद खान, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज।

इम्पैक्ट प्लेयर: साई किशोर

सनराइजर्स हैदराबाद:

पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन

इम्पैक्ट प्लेयर: हर्ष दुबे

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त

में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं।

घुंघराले बालों से थी नफरत, अब वही बनी अनुपमा परमेश्वरन की पहचान

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन आज अपनी शानदार अभिनय क्षमता के साथ-साथ खूबसूरत घुंघराले बालों के लिए भी जानी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब उन्हें अपने बाल बिल्कुल पसंद नहीं थे। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की। अनुपमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में अपने कर्ली हेयर को फ्लॉन्ट किया। इसके साथ उन्होंने एक भावुक और प्रेरणादायक नोट भी लिखा। अभिनेत्री ने बताया कि बचपन और शुरुआती दिनों में वह अपने घुंघराले बालों को छिपाने की कोशिश करती थीं। उन्हें लगता था कि उनके बाल दूसरों की तरह सीधे और सामान्य होने चाहिए। यही वजह थी कि वह बार-बार अपने बालों को सीधा करने और बदलने की कोशिश करती रहती थीं। अभिनेत्री ने लिखा कि समय के साथ उन्होंने खुद को समझना और अपनाना सीखा। उन्होंने महसूस किया कि जो चीज उन्हें सबसे अलग बनाती है, वही उनकी असली पहचान और खूबी है। अनुपमा के मुताबिक, अब उनके घुंघराले बाल उनकी सबसे पसंदीदा चीजों में शामिल हैं।

रश्मिका ने फिल्म 'माइसा' की शूटिंग पूरी होने पर जताई खुशी

मुंबई (एजेंसी) ● फिल्म 'माइसा' की शूटिंग बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने केरल में पूरी कर ली है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फिल्म की टीम के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रही हैं। शूटिंग की थकान के बावजूद वीडियो में पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ दिखाई दे रही है। रश्मिका मंदाना ने वीडियो साझा करते हुए लिखा कि केरल में फिल्म का लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। उन्होंने टीम की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को संभव बनाने में सभी लोगों ने काफी मेहनत की है। अभिनेत्री ने सभी का दिल से धन्यवाद करते हुए कहा कि वह जल्द ही दोबारा फिल्म के सेट पर वापसी करेंगी। बताया जा रहा है कि फिल्म 'माइसा' में रश्मिका मंदाना का किरदार उनके अब तक के निभाए गए किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होगा। फिल्म के कई महत्वपूर्ण दृश्य केरल की खूबसूरत लोकेशनों पर फिल्माए गए हैं।

उज्जैन संभाग

पैर पड़ने एएसपी के पीछे घूमे विधायक : उज्जैन में पुलिस ने लाठीचार्ज किया, किसान घायल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● उज्जैन में किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट को जिलाबदर किए जाने के विरोध में सोमवार को कांग्रेस ने उग्र प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। एक किसान जयराम जाट घायल हो गया, जबकि तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

प्रदर्शन से पहले कांग्रेस विधायक महेश परमार और पुलिस के बीच बहस का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में परमार एडिशनल एसपी आलोक शर्मा के पैर पड़ने के लिए उनके पीछे घूमते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान वे सड़क पर दंडवत प्रणाम भी करने

लगते हैं, जबकि एडिशनल एसपी वहां से हटते नजर आ रहे हैं।

कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे किसान नेता अशोक-इधर, किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट जिला बदर की कार्रवाई के खिलाफ इंदौर हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कार्रवाई के खिलाफ याचिका लगाई है। अब मामले में 13 मई को सुनवाई होनी है।

महिदपुर विधायक बोले- किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे- महिदपुर विधायक दिनेश जैन बोस ने कहा कि वे किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि उज्जैन आते समय पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे डरने वाले नहीं हैं।

विधायक महेश बोले- उज्जैन में गुंडे खुलेआम घूम रहे-कांग्रेस विधायक महेश परमार ने कहा कि किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशोक जाट किसानों की आवाज पर पहुंच जाते हैं। ऐसे नेता को जिलाबदर कर दिया गया, जबकि उज्जैन में गुंडे खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस ने किसी कांग्रेस कार्यकर्ता को कलेक्टर परिसर तक नहीं जाने दिया।

चरक भवन अस्पताल में ब्लैकआउट : एक घंटे बिजली गुल, अंधेरे में इलाज से मरीज बेहाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● उज्जैन के संभागीय स्तर के सबसे बड़े शासकीय चरक भवन अस्पताल में सोमवार शाम करीब एक घंटे तक बिजली गुल रही। जनरेटर बैकअप समय पर शुरू न होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई वार्डों में मोबाइल टॉर्च की रोशनी में इलाज चलता रहा।

यह घटना सोमवार शाम लगभग 6:45 बजे हुई, जब अचानक अस्पताल की बिजली चली गई और पूरा भवन अंधेरे में डूब गया। करीब एक घंटे तक, यानी 7:45 बजे तक, ब्लैकआउट की स्थिति बनी रही। अस्पताल में जनरेटर की व्यवस्था होने के बावजूद, उसका बैकअप समय पर चालू नहीं हो सका, जिससे

व्यवस्थाओं की पोल खुल गई।

बिजली गुल होने से अस्पताल के वार्ड, गलियारे और कई महत्वपूर्ण विभाग अंधेरे में रहे। इस दौरान मरीजों के परिजन मोबाइल की टॉर्च जलाकर उनकी देखभाल करते दिखे, वहीं कई मरीज गर्मी और उमस से परेशान रहे। सबसे गंभीर स्थिति इमरजेंसी वार्ड की थी, जहां देर तक बिजली बहाल नहीं हो पाई। मरीजों के परिजनों ने आरोप लगाया कि बिजली गुल होने के दौरान अस्पताल में कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं था, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई।

गाय-भैंस के लिए भी अब टेस्टट्यूब बेबी सुविधा

दुधारू नस्ल साहीवाल बछिया की 'सरोगेट मदर' बनी कपिला गोशाला की देशी गाय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● मप्र में गाय-भैंस के लिए भी अब टेस्टट्यूब बेबी की सुविधा शुरू होना शुरू हो गई। उज्जैन में इसका प्रयोग भी सफल हो गया। कपिला गोशाला की सामान्य देशी गाय भ्रूण प्रत्यारोपण के माध्यम से उन्नत साहीवाल नस्ल की बछिया की मां बन गई। यह प्रक्रिया निराश्रित गायों के लिए भी वरदान साबित होगी। ऐसी लावारिस गायों को विभाग 'सरोगेट मदर' बनाते हुए मनचाही नस्ल तैयार करेंगे।

मप्र में यह प्रयोग उज्जैन व ग्वालियर दो जगह किया। दोनों जगह गोशाला में रखी गई 10-10 गायों को निगरानी में रखते हुए विभाग ने उन्हें संतुलित आहार देकर तैयार किया। इधर, मप्र राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम भोपाल की टीम ने लैब में उच्च नस्ल की गाय का भ्रूण तैयार किया।

मुख्यालय की ही टीम ने सभी 10-10 गायों में भ्रूण प्रत्यारोपण किया। अगस्त-2025 में हुई इस प्रक्रिया में कपिला गोशाला की 10 गायों में से एक गाय पर प्रयोग सफल हो गया। 3 माह बाद ही उसके गर्भावस्था में होने के लक्षण दिखाई देने लगे और हाल ही में 2 मई 2026 को इस देशी गाय ने साहीवाल नस्ल की बछिया को जन्म दिया। जो पूर्ण रूप से स्वस्थ है। ग्वालियर में भी 3 गायों पर यह प्रयोग सफल हो गया।

जलकर वसूली में सख्ती :उद्यानों के बोरिंग से घरों तक अवैध सप्लाई कहीं अंडरग्राउंड तो कहीं ऊपर पाइप जोड़े

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● शहर में एक तरफ नगर निगम जलकर वसूली और राजस्व बढ़ाने के लिए सख्त अभियान चला रहा है। दूसरी तरफ शहर में पानी चोरी का बड़ा खेल बिना रोक-टोक के चल रहा है। हालात यह है कि उद्यानों और सार्वजनिक स्थलों पर लगे बोरिंग, ट्यूबवेल और कुओं से लोग सीधे अपने घरों में अवैध कनेक्शन लेकर पानी उपयोग कर रहे हैं। पानी की कमी के चलते उद्यानों के पेड़-पौधे सूख रहे हैं।

शहर के विवेकानंद कॉलोनी क्षेत्र में स्थित दो प्रमुख उद्यान विवेकेश्वर और लोकमान्य तिलक उद्यान है, ये अवैध जल दोहन के केंद्र बने हुए हैं। लोकमान्य तिलक उद्यान में मौजूद कुएं और पीछे लगे बोरिंग से रहवासियों ने पाइपलाइन

डालकर घरों में अंडरग्राउंड कनेक्शन करवा लिए हैं। कई परिवारों ने मिलकर पूरी तरह पाइपलाइन की जाल बिछा ली है, जिससे पार्क की सिंचाई के लिए उपयोग होने वाला पानी सीधे घरेलू टंकियों में पहुंच रहा है।

इसी तरह विवेकेश्वर उद्यान में भी स्थिति ऐसी ही है। यह समस्या शहर के कई वार्डों में है। मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी दर्ज की गई है, जिसका क्रमांक 38052696 है। शिकायतकर्ता के अनुसार मौके पर निरीक्षण जरूर हुआ था, उपयंत्री निशा वर्मा पहुंची थीं, लेकिन उसके बाद कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली गई।

नियमों के अनुसार उद्यानों के बोरिंग और कुएं केवल पार्क की सिंचाई, पौधों की देखभाल और सार्वजनिक उपयोग के लिए होते हैं। इनका उपयोग निजी घरेलू सप्लाई के लिए करना पूरी तरह अवैध है। इसके बावजूद न तो नियमित निगरानी हो रही है और न ही मौके पर कड़ी कार्रवाई दिखाई दे रही है।

अवैध कनेक्शन से सबसे पहले पार्कों की हरियाली प्रभावित होती है। पौधों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता और वे सूखने लगते हैं। इसके अलावा लगातार अधिक पानी खींचे जाने से भू-जल स्तर तेजी से गिरता है, जिससे आसपास के अन्य बोरिंग और कुएं भी प्रभावित होते हैं।

सार्वजनिक जलस्रोतों पर अनियंत्रित दबाव से मोटर , और पाइपलाइन सिस्टम भी जल्दी खराब हो जाता है। वहीं कई बार उद्यानों में उपयोग होने वाला पानी पेयजल मानकों के अनुरूप नहीं होता, जिससे इसका घरेलू उपयोग स्वास्थ्य के लिए भी जोखिम भरा हो सकता है।

यह कार्रवाई...

जुर्माना, कनेक्शन काट सकते नियमों के अनुसार बिना अनुमति के नल कनेक्शन पाए जाने पर नगर पालिक निगम जुर्माना, कनेक्शन काटने और कानूनी कार्रवाई कर सकता है, लेकिन जमीनी स्तर पर सख्ती नदारद ही है।

स्कीम नंबर 97 स्लाइज 4 के भूखंडों को लेकर नहीं मिल रही एनओसी

कई भूखंड मालिक लगा रहे प्राधिकरण में चक्कर

भू-अर्जन शाखा ने कहा आईडीए की स्कीम में शामिल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • स्कीम नंबर 97 पार्ट 4 के अंतर्गत आने वाले कई इलाके में पुराने जमीन के टुकड़ों को लेकर मालिकों को अच्छा खासा अब परेशान होना पड़ रहा है। वजह कई सालों तक ध्यान नहीं देने के बाद अचानक जब भूखंड के उपयोग को लेकर याद आई तो प्राधिकरण की ओर से एनओसी नहीं मिल रही है।

बताया जा रहा है कि इसी स्कीम के सिरपुर तालाब के आस-पास कुछऐसे भूखंड है जिनके खसरे देखने पर कृषि भूमि उपयोग के तहत नजर आते हैं। ऐसे में वास्तविक जमीन मालिक जब प्राधिकरण कार्यालय में एनओसी के लिए जाता है तब समझ में आता है कि यह तो प्राधिकरण की स्कीम में लंबे समय से है जबकि इतने समय तक जमीन मालिक अपनी जमीन समझ रहा था। मास्टर प्लान में भी आज भी कुछइलाके में सिरपुर तालाब के आस-पास जमीन रहवासी कृषि भूमि ही दशा रहा है। ऐसे में परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। कुछ मामले में जब जमीन मालिक विकास प्राधिकरण में अपनी खसरा नकल प्राधिकरण द्वारा अधिकृत की गई जमीन है जबकि वास्तविक जमीन मालिक को इसकी जानकारी नहीं है। ऐसे कुछ मामले को लेकर चर्चाएं लगातार चल रही है लेकिन अभी तक इस मामले में कुछ स्थाई हल नहीं निकल पा रहा है। जमीन मालिक एक और परेशान है तो दूसरी ओर प्राधिकरण की ओर से यहां पर अभी तक कोई ऐसा काम नहीं किया गया है जिसके चलते जमीन मालिक को फायदा मिल रहा है। तमाम कोशिशों के बावजूद एनओसी नहीं मिल पा रही है। भू-अर्जन शाखा अधिकारी सुदीप मीणा ने बताया कि अगर उक्त खसरे भू अर्जन शाखा में दर्ज हैं और हमारी योजना में शामिल है तो फिर उस योजना के तहत जमीन का उपयोग किया जाएगा। वैसे यह मामला पूरी तरह से मेरी चर्चा में नहीं आया है और न ही मुझे इसकी जानकारी है।

डंपर ने पिकअप को मारी टक्कर

ड्राइवर घायल, डंपर चालक भागा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • विजयनगर चौराहा पर मंगलवार अलसुबह तेज रफ्तार डंपर और पिकअप वाहन की टक्कर में बड़ा हादसा हो गया। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया, जबकि पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक घटना आज सुबह करीब 4:30 बजे की है। डंपर ने पिकअप वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पिकअप काफी दूर तक घसीटाती चली गई और बाद में पलट गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पिकअप चालक को वाहन से बाहर निकाला। उसके सिर, हाथ और पैर में चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे तत्काल अस्पताल रवाना किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस की एफआरवी टीम मौके पर पहुंची और डंपर को जब्त कर लिया। वहीं फरार चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार पिकअप वाहन रेडिसन होटल की तरफ से आ रहा था, जबकि डंपर रसोमा चौराहे की ओर से आ रहा था। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही हादसे की वजह मानी जा रही है।

घटिया सड़क निर्माण: MPRDC उज्जैन की नाक के नीचे हो रहा करोड़ों का खेल

32 किमी लंबे देपालपुर-इंगोरिया मार्ग पर भ्रष्टाचार की गूंज

239 करोड़ के प्रोजेक्ट में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ीं

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत
उज्जैन संभाग के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट 'इंगोरिया-देपालपुर' मार्ग निर्माण में भ्रष्टाचार और घोर लापरवाही का मामला सामने आया है। MPRDC (मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) उज्जैन के अधीन बन रही इस करीब 32 किलोमीटर लंबी सड़क की कुल लागत लगभग 239.38 करोड़ रुपये है। इतनी भारी-भरकम राशि के बावजूद, धरातल पर काम की गुणवत्ता सुरक्षा के साथ बड़ा खिलवाड़ साबित हो रही है।

बिरगोदा से मेडकवास तक 'मौत का जाल'

ठेकेदार द्वारा बिरगोदा गांव से मेडकवास तक के 12 किलोमीटर के हिस्से में शुरुआती कार्य में ही भारी लापरवाही बरती गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार ने करीब 25 साल पुरानी जर्जर पुलियाओं को नया बनाने के बजाय, उनके दोनों ओर केवल 10-10 फीट के पाइप डालकर सड़क का लेवल कर दिया है। 18 फीट चौड़ी पुरानी पुलिया को कागजों और दिखावे में 37 फीट का तो बना दिया गया, लेकिन इसका मुख्य ढांचा (मध्य भाग) अत्यंत पुराना और कमजोर है।

MPRDC उज्जैन के अधिकारी मौन, ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों का कहना है कि MPRDC उज्जैन के जिम्मेदार अधिकारी ऑफिसों में बैठकर कागजी कार्रवाई कर रहे हैं, जबकि मौके पर ठेकेदार अपनी मनमानी कर रहा है। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि छोटी-छोटी पुलियाओं में अधूरा निर्माण कर उसे मिट्टी से पाट दिया गया है ।करीब 25 साल पुरानी कमजोर पुलिया पर 37 फीट चौड़ी सड़क का बोझ डालना किसी बड़ी त्रासदी को न्योता देना है। अगर पुलिया का बीच का हिस्सा ढहा, तो जान-माल की हानि की जिम्मेदारी किसकी होगी? MPRDC उज्जैन और ठेकेदार के बीच की यह सांठगांठ जनता की जान पर भारी पड़ रही है।'

प्रशासन और MPRDC से मुख्य सवाल क्या 239 करोड़ के प्रोजेक्ट में पुरानी जर्जर पुलियाओं का ही उपयोग करने का प्रावधान है दूसरा सूचना बोर्ड न लगाकर नियम विरुद्ध काम करने वाले ठेकेदार पर MPRDC उज्जैन ने अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की? क्या विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

लागत 239 करोड़, पर सूचना बोर्ड एक भी नहीं

हैरानी की बात यह है कि 239 करोड़ रुपये के इस मेगा प्रोजेक्ट में पारदर्शिता का नामो-निशान नहीं है। नियमों के अनुसार निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड लगा होना चाहिए, जिसमें ठेकेदार का नाम, लागत, और MPRDC उज्जैन के जिम्मेदार अधिकारियों के नंबर हों। लेकिन शिकायतकर्ताओं को गुमराह करने के उद्देश्य से पूरे मार्ग पर कहीं भी सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है, ताकि ग्रामीणों को यह पता न चल सके कि वे शिकायत कहाँ करें।

इनका कहना है

'हमारे एस्टीमेट और DPR (Detailed Project Report) में जो प्रावधान है, वही काम किया जा रहा है। हमारी DPR में पुरानी पुलिया के 'रिकंस्ट्रक्शन' (पुनर्निर्माण/सुधार) का ही उल्लेख है।

'- **आशीष अग्निहोत्री,**
प्रोजेक्ट हेड मैनेजर, जैनको कंपनी

ठेला हटाने पर नगर निगम कर्मचारियों के साथ हुआ विवाद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में सड़क पर ठेला लेकर घूमना एक ठेले वाले को सोमवार दोपहर इतना भारी पड़ गया कि उसने अपना ठेला बचाने के लिए खुद के गले पर चाकू रख लिया। ठेले वाले ने यहां तक कह दिया कि यदि ठेला ले गए तो वह जान दे देगा। कार्रवाई के दौरान का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है।

दरअसल, पलसीकर इलाके में रहने वाला 28 वर्षीय मोहम्मद शाहरुख सिद्दीकी मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। वह पिछले 12-13 सालों से इंदौर में रह रहा है। उसने बताया कि सोमवार को वह आम का ठेला लेकर निकला था।

जयरामपुर कॉलोनी में वह खाना खाने पहुंचा, लेकिन वहां उसे खाना नहीं मिला। इसके बाद वह पलसीकर चौराहे के पास पहुंचा। यहां खाना खाने के बाद जैसे ही वह ठेला लेकर निकला, तभी एक महिला ने उससे आम के दाम पूछे और दो किलो आम खरीद लिए। ठेला संचालक ने बताया कि आम देकर वह ठेला आगे बढ़ाने ही वाला था कि तभी अचानक वहां नगर निगम के कर्मचारी आ गए और उसे घेर लिया। उन्होंने ठेला सड़क किनारे लगवाया और आम भरने को कहा। विरोध करने पर कर्मचारी खुद ही आम भरने लगे। उसने उन्हें मना भी किया, लेकिन वे नहीं माने और ठेला उठाने के लिए बड़ी गाड़ी बुला ली।

मोहम्मद शाहरुख ने बताया कि इस दौरान वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। नगर निगम के कर्मचारी भी मौके पर इकट्ठा हो गए। वह लगातार उनसे मिन्नत करता रहा कि उसका ठेला छोड़ दें, लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद उसने ठेले पर रखा चाकू उठाकर अपने गले पर रख लिया और कहा कि वह जान दे देगा। यह देखकर नगर निगम कर्मचारी भी चौंक गए। बाद में लोगों ने युवक को समझाया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

मोहम्मद शाहरुख ने बताया कि पहले वह दूसरों के ठेले पर काम करता था, लेकिन अब खुद का ठेला लगाता है। वह लोगों से उधार लेकर माल खरीदता है और आम बेचने के बाद उनका पैसा लौटाता है। सोमवार को उसके ठेले पर 160 किलो आम थे। ये आम भी उसने उधार लेकर खरीदे थे। उसने कहा कि वह खुद का खर्च कम करके गांव में अपने माता-पिता को पैसे भेजता है। अगर नगर निगम उसका ठेला और माल जब्त कर लेता, तो उसके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाता।

कार्रवाई से दूर ट्रैवल्स कंपनियां, रोज लग रहा जाम

शहर में बेलगाम बसों से बिगड़ रहा ट्रैफिक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में ट्रैफिक पुलिस जहां दिनभर दोपहिया वाहन चालकों के चालान काटती नजर आती है, वहीं शहर में संचालित अंतरराज्यीय बसों पर उसका कोई प्रभाव दिखाई नहीं देता।

सुबह और शाम के व्यस्त समय में कई बसें सड़कों पर खड़ी होकर ट्रैफिक व्यवस्था बिगाड़ती हैं। इतना ही नहीं, बसों के जरिए गैरकानूनी तरीके से लाया गया सामान और पार्सल बीच सड़क पर ही उतार दिया जाता है। रविवार को हंस ट्रैवल्स के गोदाम में एक गंभीर घटना सामने आई। यहां एक कर्मचारी ने 100 किलो वजनी पार्सल महिला सफाईकर्मी पर फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और गोदाम को भी सील कर दिया है।

फाइल फोटो

ढक्कनवाला कुएं के पास हंस ट्रैवल्स की बसें आधे से ज्यादा सड़क घेरकर खड़ी रहती हैं, जिससे अन्य वाहन चालकों को निकलने में परेशानी होती है। कई शिकायतों के बावजूद ट्रैफिक पुलिस ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। यही स्थिति बॉम्बे अस्पताल चौराहा, स्टार चौराहा और रेडिसन चौराहा पर भी देखने को मिलती है, जहां बसें सड़क किनारे खड़ी होकर लंबा जाम लगवाती हैं। शाम के समय ट्रैफिक दबाव बढ़ने पर स्थिति और खराब हो जाती है। बस का परमिट हो सकता है निरस्त... महिला सफाईकर्मी पर पार्सल फेंकने की घटना के बाद कर्मचारियों पर तो केस दर्ज हो गया, लेकिन हंस ट्रैवल्स के खिलाफ अब तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई है। जिस बस की छत से पार्सल फेंका गया, उसे सामान ढोने की अनुमति नहीं थी। ऐसे में परिवहन विभाग बस का परमिट निरस्त करने के साथ उसे जब्त भी कर सकता है।

सीयूईटी यूजी शुरू, जुलाई अंत तक शुरू हो सकती है काउंसलिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • सीयूईटी यूजी 2026 की शुरुआत सोमवार से हो गई। देशभर की यूनिवर्सिटी में स्नातक और इंटीग्रेटेड कोर्स में प्रवेश के लिए आयोजित हो रही इस परीक्षा में हजारों विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। डीएवीवी में भी इस वर्ष 28 अंडर ग्रेज्यूएट और इंटीग्रेटेड प्रोग्राम्स में प्रवेश सीयूईटी के जरिए दिए जाएंगे। परीक्षा मई के अंत तक अलग-अलग चरणों में आयोजित होगी। जुलाई अंत तक डीएवीवी में काउंसलिग शुरू हो सकती है।

विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों में संचालित कोर्सों के लिए इस बार एक लाख से अधिक आवेदन आने की संभावना है। प्रवेश प्रक्रिया के तहत इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (आईआईपीएस), इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) स्कूल ऑफ लॉ, स्कूल ऑफ कॉमर्स, स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस, स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, जर्नलिज्म और ईएमआरसी विभागों के कोर्स शामिल हैं।

प्रमुख पाठ्यक्रमों में बीए ऑनर्स इकोनॉमिक्स, बीए जियोग्राफी, बीए सोशियोलॉजी, बीए एलएलबी, बीकॉम, बीकॉम ऑनर्स, बीबीए एविएशन, बीसीए और बीफार्मा शामिल हैं, वहीं एमबीए ई-कॉमर्स, एमबीए टूरिज्म, एमबीए फॉरेन ट्रेड, एमबीए एमएससी, एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और पांच वर्षीय एमटेक प्रोग्राम भी सीयूईटी आधारित प्रवेश प्रक्रिया का हिस्सा हैं। सीयूईटी चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा के अनुसार एनटीए जून अंत या जुलाई के पहले सप्ताह तक परिणाम घोषित कर सकता है। इसके करीब तीन सप्ताह बाद विश्वविद्यालय को मेरिट सूची मिलने की संभावना है। प्रवेश प्रभारी प्रो. बीके त्रिपाठी ने बताया कि नॉन-सीयूईटी कोर्सों की प्रवेश प्रक्रिया भी विभागीय बैठक के बाद जल्द पूरी की जाएगी।

आईआईपीएस कैंपस में पुलिस की दबिश :परीक्षा के बाद दो छात्र पकड़े गए; मारपीट के मामले में पुलिस को थी तलाश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • खंडवा रोड स्थित तक्षशिला कैंपस में स्थित आईआईपीएस परिसर में सोमवार को पुलिस पहुंची। पुलिस ने यहां से दो युवकों को पकड़ा। मामला पुराने विवाद से जुड़ा है, जिसमें पुलिस को इनकी तलाश थी। पुलिस वक्त रहते नहीं पहुंचती तो आज भी यहां झगड़ा हो जाता। मामले में भंवरकुआं टीआई संतोष दूधी ने बताया कि मामला पुराने विवाद से जुड़ा हुआ है। 30 अप्रैल को केशव पाटीदार नामक युवक के साथ मारपीट हुई थी, जिसमें वह घायल हुआ था। शिकायत पर मामला दर्ज कर दो लड़कों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। सोमवार को पुलिस को सूचना मिली कि इस मामले में दो छात्र सक्षम चौहान और रितेश राजपूत एग्जाम देने पहुंचे हैं। आज उनकी एमबीए की आखिरी परीक्षा है, जिसके बाद वे यहां से भाग सकते थे। वहीं, जिसके साथ मारपीट की घटना हुई थी, वे भी यहां पर इकट्ठा हो गए थे। इस पर पुलिस बल तुरंत मौके पर भेजा गया और स्थिति को नियंत्रण में लेते हुए दोनों को गिरफ्तार किया गया।

7 करोड़ रुपए में बनेगा रणजीत हनुमान का भव्य कॉरिडोर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • श्री रणजीत हनुमान मंदिर जल्द ही श्रद्धालुओं को नए और भव्य स्वरूप में दिखाई देगा। इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित इस अतिप्राचीन मंदिर परिसर में 'रणजीत लोक' का निर्माण तेजी से चल रहा है। करीब 7 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहे इस प्रोजेक्ट को अगले डेढ़ साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार सिंहस्थ से पहले श्रद्धालुओं को यहां आधुनिक सुविधाओं के साथ भव्य धार्मिक वातावरण देखने को मिलेगा।

आधुनिक सुविधाएं-रणजीत लोक परियोजना का काम वर्ष 2025 में शुरू हुआ था और अब इसका स्वरूप धीरे-धीरे नजर आने लगा है। योजना के तहत मंदिर परिसर में नई बाउंड्रीवॉल, 25 फीट चौड़ा पाथवे और विशेष दर्शन कॉरिडोर तैयार किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दर्शन व्यवस्था को पहले से अधिक व्यवस्थित बनाया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर परिसर और पार्किंग क्षेत्र में भी कई विकास कार्य किए जाएंगे, जिन्हें दूसरे चरण में शामिल किया गया है।

सुंदरकांड और हनुमान चालीसा से सजेगी दीवारें-मंदिर की बाउंड्रीवॉल पर सुंदरकांड और हनुमान चालीसा के प्रसंगों को उकेरा जाएगा। इससे पूरा परिसर धार्मिक और आध्यात्मिक माहौल से भर जाएगा। परिसर की सुंदरता बढ़ाने के लिए आधुनिक एलईडी लाइटिंग भी लगाई जाएगी। वहीं पुरानी पार्किंग वाले हिस्से में जिकजैक रैलिंग के साथ दर्शन कॉरिडोर बनाया जा रहा है, जिस पर श्रद्धालुओं को धूप और बारिश से बचाने के लिए शेड भी लगाया जाएगा।

रणजीत लोक परियोजना के तहत 10 नए कमरे भी बनाए जा रहे हैं। इनका उपयोग प्रसाद कक्ष, दवा केंद्र, अमानती सामान घर, बेबी फीडिंग रूम और जलसेवा केंद्र के रूप में किया जाएगा। साथ ही मंदिर के अन्नक्षेत्र का भी विस्तार किया जाएगा ताकि अधिक संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

लाइव दर्शन के लिए स्पष्ट स्क्रीन

मंदिर परिसर में बाबा के लाइव दर्शन के लिए बड़े एलईडी टीवी भी लगाए जाएंगे, जिससे दूर खड़े श्रद्धालु भी आसानी से दर्शन कर सकेंगे। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास ने बताया कि पूरा निर्माण मंदिर प्रबंधन की ओर से कराया जा रहा है और काम को भव्यता के साथ पूरा करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दानदाताओं का सहयोग

मंदिर प्रबंधन ने इस वृहद परियोजना के लिए दानदाताओं से सहयोग की अपील भी की है। इसके लिए अलग बैंक खाता और क्यूआर कोड की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु आर्थिक सहयोग के साथ-साथ सीमेंट, रेत और सरिया जैसी निर्माण सामग्री भी दान कर सकते हैं। इसके लिए मंदिर कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।
मंदिर प्रबंधन का कहना है कि रणजीत लोक तैयार होने के बाद यह स्थान धार्मिक आस्था के साथ-साथ इंदौर की सांस्कृतिक पहचान का भी प्रमुख केंद्र बनेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।